डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
04 जून 2026 गुरुवार

आज का मौसम
38.4 अधिकतम
20.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

दिल्ली के होटल के बाद मुजफ्फरपुर अस्पताल में भीषण आग

पांच की मौत, 20 झुलसे.. आईसीयू के खिड़की दरवाजे तोड़कर मरीजों को बाहर निकालना पड़ा

आरोप- तड़पते मरीजों को छोड़कर भाग गया अस्पताल का स्टाफ

मुजफ्फरपुर, एजेंसी

बिहार के मुजफ्फरपुर में गुरुवार तड़के ब्रह्मपुरा इलाके के प्रसिद्ध प्रसाद हॉस्पिटल में भयावह आग लग गई। सुबह करीब 4 बजे अस्पताल की पांचवीं मंजिल पर स्थित आईसीयू वार्ड में अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरी इमारत में घुटन भरा और जहरीला धुआं भर गया। इससे पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग झुलस गए। आग शॉर्ट सर्किट से लगी। इसके बाद आईसीयू में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ। इसकी वजह से आग तेजी फैली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड अस्पताल पहुंची और आग पर काबू पाया। लोगों ने मौके से स्टाफ के गायब होने का आरोप लगाया। परिजन अपने मरीजों को स्ट्रेचर से बाहर ले जाते दिखे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आईसीयू में मौजूद मरीजों के लिए धुएं के कारण सांस लेना मुश्किल हो गया। आग तेजी से फैलने के कारण कई मरीज बिस्तरों पर ही फंस गए। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बचाव दल ने खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर मरीजों को बाहर निकाला तथा उन्हें आसपास के अस्पतालों में शिफ्ट किया। तीन मृतकों की पहचान हो गई है, जिनमें, गीता देवी, चंचला कुमारी, 57 साल के उदय कुमार, 30 साल के शशांक कुमार शामिल हैं। एक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हादसे पर दुख जताया है। जिला प्रशासन के मुताबिक आग लगने के समय आईसीयू में लगभग 13 से 15 मरीज भर्ती थे। आग की वास्तविक वजह का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

93 साल की मरीज ने दी जानकारी: श्मदीदों का आरोप है कि, मौत का आंकड़ा छिपाने के लिए पुलिस घटनास्थल से जल्दबाजी में शवों को लेकर चली गई। लोगों का कहना है कि अगर आग लगने के बाद समय पर पानी की व्यवस्था की गई होती तो मृतकों की संख्या कम हो सकती थी। आईसीयू में एडमिट 93 साल की राधा देवी ने बताया, मैं आईसीयू में एडमिट थी। अचानक वार्ड में धुआं उठने लगा। मैंने तुरंत अपना ऑक्सीजन मास्क हटाया और वार्ड से बाहर आ गई। बाहर आकर गार्ड को जानकारी दी कि अंदर आग लगी है।

मुजफ्फरपुर के प्रसाद हॉस्पिटल में आग से जला आईसीयू वार्ड और बचाव में लगे सुरक्षाकर्मी।

विधायक योगेंद्र सिंह की कार में आग, बड़ा हादसा टला

सिवनी। लखनादौन से कांग्रेस विधायक योगेंद्र सिंह बाबा आज एक बड़े सड़क हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। सिवनी-जबलपुर मार्ग पर उनकी कार सड़क किनारे एक स्कूल की बाउंड्री वॉल से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गई। हादसे में विधायक सुरक्षित हैं, जबकि चालक और गनमैन घायल हुए हैं। विधायक जबलपुर की ओर जा रहे थे। आग लगने के बाद हादसे के दौरान कार अंदर से लॉक हो गई थी, लेकिन मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों की मदद से विधायक, गनमैन और चालक को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

दिल्ली होटल मामले में अब मैनेजर की तलाश

नईदिल्ली। मालवीय नगर स्थित लेमन ग्रीन होटल रेस्टोरेंट परिसर में हुए भीषण अग्निकांड के बाद दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। जांच के दौरान सामने आया है कि जिस भवन में आग लगी, वहां होटल और रेस्टोरेंट दोनों संचालित किए जा रहे थे। पुलिस ने होटल मालिक लवकेश (लोकेश) बजाज को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि होटल के मैनेजर और अन्य जिम्मेदार कर्मचारियों की तलाश तेज कर दी गई है। बचाव अभियान के दौरान 10 पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे। दमकल, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमों ने करीब 37 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। नगर निगम ने भी घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं और तीन दिन में रिपोर्ट मांगी है।

गिरफ्तार होटल मालिक लवकेश

चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी दिया डेमोक्रेट्स का साथ

अमेरिकी हाउस में पास हुआ ईरान के खिलाफ जंग रोकने का प्रस्ताव

वॉशिंगटन डीसी /तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान रोकने से जुड़ा प्रस्ताव पास कर दिया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, कांग्रेस की मंजूरी के बिना सैन्य कार्रवाई जारी नहीं रख सकते। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में यह प्रस्ताव 215-208 वोटों से पारित हुआ। चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स के साथ वोट देकर ट्रम्प के खिलाफ रुख अपनाया।

प्रस्ताव के तहत ट्रम्प को ईरान के खिलाफ आगे की सैन्य कार्रवाई के लिए कांग्रेस से मंजूरी लेनी होगी। मंजूरी नहीं मिलने पर अमेरिकी सैन्य बलों को वापस बुलाने की मांग की गई है। यह प्रस्ताव अब सीनेट में जाएगा। वहां मंजूरी मिलने के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। हालांकि माना जा रहा है कि ट्रम्प इस प्रस्ताव को वीटो कर सकते हैं। इससे पहले ट्रम्प ने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में कहा था कि ईरान के खिलाफ कार्रवाई का फैसला उन्होंने खुद लिया था। उन्होंने कहा था, किसी ने मुझे इसके लिए उकसाया या प्रभावित नहीं किया। यह मेरा अपना फैसला था। मतदान को ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के भीतर बढ़ती असहमति के तौर पर देखा जा रहा है। ईरान युद्ध को लेकर अमेरिका में जनसमर्थन भी सीमित रहा है और बढ़ती ईंधन कीमतों को लेकर चिंता बनी हुई है।

उधर, दक्षिणी लेबनान के नबातिएह जिले में इजराइली ड्रोन ने एक सड़क को निशाना बनाया है। हमला कफर रेमान और हब्बूश कस्बों के बीच हुआ।अल जजीरा अरबी के मुताबिक, इजराइली ड्रोन ने कफर रेमान और हब्बूश को जोड़ने वाली सड़क पर हमला किया। फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि हमले में किसी वाहन को निशाना बनाया गया या नहीं। हमले में किसी के हताहत होने या नुकसान की तत्काल जानकारी सामने नहीं आई है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष तभी खत्म माना जाएगा, जब लेबनान में भी युद्ध समाप्त हो और इजराइली सेना वहां से पीछे हटे।

न्यूज विंडो

पंजाब सचिवालय को ईमेल से दी बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़। पंजाब सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सचिवालय के कंट्रोल रूम को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें परिसर में बम होने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत अलर्ट कर दिया गया। धमकी मिलने के बाद सचिवालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

चंद्रशेखर हाउस अरेस्ट आवास को पुलिस ने घेरा

बिजनौर। आजाद समाज पार्टी प्रमुख चंद्रशेखर को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया है। उनके धामपुर आवास को पुलिस ने घेर लिया है। आजाद समाज पार्टी के नेताओं ने इस पर रोष व्यक्त किया है। आजाद समाज पार्टी ने आज सत्ता परिवर्तन यात्रा निकाली। यात्रा जिला मुख्यालय स्थित नुमाइश मैदान से शुरू हुई और विभिन्न मार्गों से होते हुए कलक्ट्रेट पहुंची। जिला प्रशासन ने यात्रा के दौरान दिक्कत न हो, इसके लिए बड़ी संख्या में सुबह से ही पुलिस फोर्स को तैनात किया हुआ है।

पंचकूला में क्लब के बाहर फायरिंग, दो शूटर पकड़े

पंचकूला। पंचकूला सेक्टर-5 स्थित एक क्लब के बाहर बुधवार देर रात हुई ताबड़तोड़ फायरिंग से शहर में सनसनी फैल गई। हमलावरों ने क्लब से बाहर निकल रहे व्यक्ति पर अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं, जिससे दो लोग घायल हो गए। वारदात के बाद फरार हो रहे दोनों आरोपियों को पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमों ने पीछा कर रामगढ़ क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगी है।

केरलम पहुंचा मानसून, एमपी में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली /भोपाल, एजेंसी

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार मानसूनी हवाओं की एंट्री के साथ आज केरलम में मानसून पहुंच गया। इसकी वजह से केरलम के अलावा तमिलनाडु और कर्नाटक में कुछ जगहों पर अगले 7 दिन भारी बारिश हो सकती है। पहले अनुमान था कि मानसून 26 मई को केरलम पहुंचेगा। लेकिन यह 9 दिन लेट हो गया है। आमतौर पर यह 1 जून को केरलम पहुंचता है और अगले डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर करता है।

इधर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में प्री-मानसून एक्टिविटी जारी हैं। यहां 50 से 70 किमी की रफ्तार से आंधी-बारिश हो सकती है। हालांकि, देश के कई राज्यों में अभी भी गर्मी कम नहीं हुई है। गुजरात, पश्चिमी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु में तापमान 40 डिग्री से ऊपर बना हुआ है। मौसम विभाग ने ओडिशा, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और तेलंगाना समेत 24 राज्यों में बारिश, आंधी और तेज हवाओं की संभावना जताई है। वहीं राजस्थान, हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बारिश, ओले गिरने और तेज हवाओं को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली में भी दो दिन के लिए यलो अलर्ट है। मौसम विभाग ने नीमच, श्योपुर, मुरैना, टीकमगढ़ और छतरपुर में ओलावृष्टि के साथ 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है। भोपाल में सुबह से बादल छाए हैं। कई इलाकों में तेज हवा के साथ बूंदाबांदी हुई। इसके अलावा रायसेन, सीहोर और नर्मदापुरम में भी बारिश हुई।

तेज रफ्तार हवाओं का अनुमान

उज्जैन, जबलपुर, सागर और रीवा संभाग के 33 जिलों में 50 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्तमान में ट्रफ लाइन और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश में बारिश और आंधी का दौर बना हुआ है। इसी कारण इस बार मानसून की दस्तक सामान्य तिथि 15 जून की बजाय 20 से 22 जून के बीच होने का अनुमान है।

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हुए विराट कोहली

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाजों में से एक विराट कोहली हैमस्ट्रिंग चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 13 जून से धर्मशाला में शुरू होगी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को जानकारी देते हुए कहा, वह हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। 37 वर्ष की उम्र में भी विराट कोहली को दुनिया के सबसे फिट क्रिकेटरों में गिना जाता है। हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल सीजन में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था।

दिग्गज बॉलीवुड फिल्म मेकर पहलाज निहलानी का 76 साल की उम्र में निधन

मुंबई। फिल्म प्रोड्यूसर और पूर्व सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के चेयरमैन पहलाज निहलानी अब इस दुनिया में नहीं रहे। 76 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली। कुछ वक्त से उनकी तबीयत नासाज चल रही थी और वो लिवर संबंधी बीमारी से जूझ रहे थे। पहलाज निहलानी ने अपने लंबे करियर में कई सितारों की किस्मत चमका दी, कुछ को उन्होंने स्टार बना दिया। इस लिस्ट में गोविंदा, अक्षय कुमार, सनी देओल जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। निहलानी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम थे। उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्में बनाई, जिनमें 'आंखें', 'अंदाज', 'तलाश', 'रंगीला राजा', 'हथकड़ी', आंधी तूफान, इल्जाम, आग ही आग, पाप की दुनिया, गुनाहों का फैसला जैसी फिल्में शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी समिति ने कहा- गैस पीड़ितों के इलाज की पूरी राशि दे सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों के मुफ्त इलाज को लेकर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी समिति ने सख्त रुख अपनाया है। समिति ने गैस राहत विभाग को कड़े निर्देश देते हुए कहा है कि पीड़ितों के अस्पताल के इलाज का पूरा खर्च विभाग को उठाना होगा। कोर्ट के आदेशों के बावजूद आयुष्मान योजना की कमियों और फंड की तय सीमा (सीलिंग) के कारण पीड़ितों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है।

निगरानी समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी.के. अग्रवाल ने मुख्य सचिव को लिखे पत्र में याद दिलाया है कि सुप्रीम कोर्ट और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने कई बार स्पष्ट किया है कि सभी गैस पीड़ितों का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।वर्तमान में, गैस राहत विभाग आयुष्मान योजना के तहत किडनी ट्रांसप्लांट जैसे बड़े इलाजों के लिए अधिकतम 4 लाख रुपये की राशि मंजूर कर रहा है। इसके विपरीत, निजी अस्पतालों में इस इलाज का न्यूनतम खर्च 6.5 लाख रुपये या उससे अधिक है। निगरानी समिति के सदस्य पूर्णेंदु शुक्ला ने कहा, गैस पीड़ित एक विशेष श्रेणी में आते हैं। उन्हें बिना किसी ऊपरी सीमा (सीलिंग) के इलाज के लिए आवश्यक पूरी राशि दी जानी चाहिए।

भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन की सह-संयोजक रचना ढींगरा ने मुख्य सचिव को चेतावनी दी है कि यदि इस मामले में तुरंत सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो वे अदालत में अवमानना याचिका दायर करेंगी।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

जिस परीक्षा में फेल हुए, उसी के चेयरमैन रह चुके वी. कामकोटी का सक्सेस मंत्रा

हर बच्चा अलग होता है... अंक या रैंक उसकी पूरी योग्यता नहीं दिखाते

चेन्नई, एजेंसी

जीवन सिर्फ पढ़ाई-लिखाई तक ही सीमित नहीं है। इस बात को समझना ही मजबूत और सकारात्मक बनाने में मदद कर सकता है। हमारे देश के लिए मजबूती और सकारात्मकता बहुत जरूरी है, जिससे हम बच्चों को निराशा से बचा सकें, जो उन्हें अपनी नजर में मिली असफलताओं की वजह से होती है।' आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर वी कामकोटी के शब्द संघर्ष से सफलता का असली मतलब बताते हैं। जिस छुअध्र परीक्षा में वह कभी फेल हो गए थे, बाद में उसके चेयरमैन बन गए।

आईआईटी मद्रास की ऑफिशियल वेबसाइट iitm.ac.in पर डायरेक्टर वी कामकोटी ने अपनी कहानी साझा करते हुए कहा कि असफलता जैसी कोई चीज नहीं होती। सदियों से बुद्धिमान लोग यही कहते आए हैं। भारत के राष्ट्रपति रहे और भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि FAIL = First Attempt In Learning (असफलता = सीखने का पहला प्रयास)। प्रोफेसर ने लिखा कि जीवन में सफलता सिर्फ अंकों, ग्रेड या नंबरों से तय नहीं होती। 1985 में जब वह JEE परीक्षा की तैयारी कर रहे थे तो उन्हें केमिस्ट्री सब्जेक्ट में 100 में से 10 अंक भी नहीं मिले थे। वह दिन उनके लिए बहुत ही निराशाजनक था लेकिन यह उनकी यात्रा का अंत नहीं बना। कई साल बाद वह उसी जेईई परीक्षा के चेयरमैन बने। इससे यह साबित हुआ कि एक असफल परीक्षा जीवन की सफलता को परिभाषित नहीं करती। वी कामकोटी ने आईआईटी मद्रास से कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में एमएस और पीएचडी की डिग्रियां हासिल कीं। वे 2001 में IIT मद्रास के फैकल्टी बने थे और जनवरी 2022 में डायरेक्टर का पदभार संभाला। वह भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा गठित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टास्क फोर्स के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। आईआईटी मद्रास में उन्होंने जेईई के अध्यक्ष और इंडस्ट्रियल कंसल्टेंसी एन्ड स्पॉन्सर्ड रिसर्च के एसोसिएट डीन के रूप में कार्य किया है।

छात्र और अभिभावक की सोच में बदलाव की जरूरत

कामकोटी के अनुसार माता-पिता की भूमिका बच्चों को दिशा देना है लेकिन यह उनके सपनों, क्षमताओं और रुचि को ध्यान में रखकर होना चाहिए। बच्चों की तुलना करना गलत प्रभाव डाल सकता है क्योंकि हर बच्चा अलग होता है और अंक या रैंक उसकी पूरी योग्यता को नहीं दिखाते। ज्यादा दबाव कई बार बच्चों में गंभीर तनाव और भावनात्मक समस्याएं पैदा कर सकता है। डायरेक्टर का मानना है कि युवाओं के लिए जब परिणाम उम्मीद के अनुसार नहीं आते तो वे उसे बड़ी असफलता मान लेते हैं। यह निराशा अक्सर गलत अपेक्षाओं और अपनी क्षमता या रुचि से अलग क्षेत्र में खुद को धकेले जाने के कारण होती है। ऐसी स्थिति में छात्र और अभिभावक दोनों को अपनी सोच में बदलाव लाने की जरूरत होती है, क्योंकि असफलता को अंत नहीं बल्कि सुधार और सीखने का अवसर माना जाना चाहिए। साथ ही यह समझना जरूरी है कि हर क्षेत्र महत्वपूर्ण है। चाहे वह कंप्यूटर साइंस हो, ओशन इंजीनियरिंग, एयरोस्पेस या बायोलॉजिकल साइंस। समाज में हर क्षेत्र का योगदान समान रूप से आवश्यक है।

मौसम ने ली करवट... सुबह से रिमझिम बारिश का दौर

भोपाल। राजधानी में आज सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। शहर के कई इलाकों में सुबह से रिमझिम बारिश और ठंडी हवाओं का दौर जारी है। जिससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से काफी राहत मिली है। इस अचानक बदलाव से शहर का मौसम सुहावना हो गया है। मौसम विभाग ने भोपाल सहित मध्य प्रदेश के कई जिलों में बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है। शहर के न्यू मार्केट, एमपी नगर, कोलार, करोंद, शाहपुरा, अरेरा कॉलोनी, बैरागढ़ और पुराने शहर के कई क्षेत्रों में हल्की बारिश दर्ज की गई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश में मौसम का यह बदलाव देखने को मिल रहा है। अगले 48 घंटों के दौरान भोपाल सहित आसपास के क्षेत्रों में बारिश और तेज हवाओं का असर बना रह सकता है। हालांकि बारिश ने लोगों को राहत दी है, लेकिन नगर निगम और प्रशासन के लिए यह चेतावनी भी है। शहर के कई इलाकों में नालों की सफाई अधूरी है और सड़कों पर गड्ढे मौजूद हैं। आगामी दिनों में बारिश का सिलसिला तेज होने पर जलभराव और यातायात बाधित होने जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं।

कोलार ग्रेविटी पाइपलाइन फूटने से पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद

36 घंटे से तीन दिन का हुआ वॉटर शटडाउन पांच लाख लोग गर्मी में पानी को तरस रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार जलप्रदाय योजना की 30 साल पुरानी ग्रेविटी मेन पाइपलाइन सनखेड़ी के पास फूट गई है, जिसकी वजह से शहर के बड़े हिस्से में जल आपूर्ति बाधित हो रही है, जिसे बुधवार तक भी पूरी तरह बहाल नहीं किया जा सका। इसकी वजह से शहर के सात जोन में रहने वाले करीब पांच लाख लोगों को तीसरे दिन भी भीषण गर्मी में जल संकट से जूझते रहे।

राजधानी में कोलार परियोजना की ग्रेविटी पाइपलाइन का संधारण कार्य नगर निगम की लापरवाही की भेंट चढ़ गया है। सोमवार को घोषित 24 घंटे का शटडाउन अब एक बड़े जल संकट में बदल चुका है, जिससे शहर का एक बड़ा हिस्सा पिछले 36 घंटों से बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है।

दो दिन पहले शुरू हुआ काम तय समय सीमा के बाद भी पूरा नहीं हो सका, जिसके कारण शाहजहांनाबाद, निशातपुरा, हमीदिया रोड, अरेरा कालोनी, तुलसी नगर, और एमपी नगर समेत कई प्रमुख इलाकों में पेयजल

आपूर्ति नहीं हो सकी। महापौर मालती राय ने भी बुधवार को पाइप लाइन पर चल रहे काम का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

490 में से 250 ट्रिप रसूखदारों के क्षेत्र वाले जोन आठ में: पाइपलाइन में सुधार कार्य के चलते जोन दो, चार, पांच, छह, सात, आठ, 10 और 21 में स्थिति सबसे खराब है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाने के लिए 70 पानी के टैंकरों को मैदान में उतारा है, जिन्होंने अब तक विभिन्न इलाकों में 490 ट्रिप लगाई हैं। लेकिन 490 में से करीब 250 ट्रिप अकेले जोन आठ यानी तुलसी नगर और चार इमली वाले क्षेत्रों में ही लगाई गईं, जहां नेता, अधिकारी और रसूखदारों के ठिकाने हैं, जबकि अन्य प्रभावित क्षेत्रों में लोग पानी के लिए भटकते रहे। निगम का शिकायत सिस्टम भी ठप हो गया है और पानी को लेकर 1000 से अधिक शिकायतें पेंडिंग पड़ी हैं।

आज भी बहाली की संभावना अनिश्चित

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार गुरुवार को भी कोलार ग्रेविटी मेन लाइन से नियमित जलापूर्ति बहाल होने की संभावना तय नहीं है। इंजीनियरों ने बताया कि पाइपलाइन की मरम्मत पूरी कर ली गई है, अब थ्रस्ट ब्लॉक का निर्माण चल रहा है, जिसके बाद परीक्षण कर आपूर्ति बहाल की जाएगी। महापौर मालती राय ने बुधवार को मौके का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

घरों तक पानी पहुंचने में अभी लगेगा 12 घंटे का समय

हर हाल में सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। लेकिन पानी फिल्टर होने और ओवरहेड टैंकों से घरों तक पहुंचने में अभी 12 घंटे से अधिक का समय और लगेगा। टैंकर वितरण में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है। गुरुवार को कोलार क्षेत्र के लिए पांच टैंकर निर्धारित किए गए हैं।

– तन्मय वशिष्ठ शर्मा,
अपर आयुक्त, नगर निगम

एम्स ने 52 वर्षीय मरीज को दी नई जिंदगी

एक सर्जरी, दो कैंसर पर जीत डॉक्टरों ने रचा नया इतिहास

संतनगर, दोपहर मेट्रो।

एम्स भोपाल के चिकित्सकों ने चिकित्सा क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 52 वर्षीय मरीज के दो अलग-अलग प्राथमिक कैंसरों का एक ही ऑपरेशन में सफल उपचार किया है। मरीज पित्त नली के कैंसर (कोलेंजियोकार्सिनोमा) और किडनी कैंसर (रीनल सेल कार्सिनोमा) जैसी गंभीर एवं दुर्लभ बीमारी से जूझ रहा था।

विशेषज्ञों के अनुसार शरीर में दो अलग-अलग प्राथमिक कैंसर का एक साथ पाया जाना अत्यंत दुर्लभ और जटिल स्थिति होती है। ऐसे मामलों में उपचार की चुनौती कई गुना बढ़ जाती है। मरीज की स्थिति को देखते हुए एम्स भोपाल की बहुविषयक टीम ने संयुक्त रूप से एक ही ऑपरेशन में दोनों कैंसरों को हटाने का निर्णय लिया।यूरोलॉजी, सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एनेस्थीसियोलॉजी और नर्सिंग विभाग की टीम ने घंटों तक चले ऑपरेशन में व्हिपल प्रक्रिया और राइट रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी जैसी जटिल सर्जरियां सफलतापूर्वक संपन्न कीं। इस दौरान मरीज के शरीर से कैंसरग्रस्त पित्त नली और प्रभावित किडनी को पूरी तरह हटाया गया। चिकित्सकों ने बताया कि यदि दोनों कैंसरों का अलग-अलग ऑपरेशन किया जाता तो मरीज को बार-बार बड़ी सर्जरी और लंबे उपचार से गुजपड़ता। एक ही सर्जरी में दोनों कैंसर हटाने से न केवल जोखिम कम हुआ, बल्कि मरीज के शीघ्र स्वस्थ होने की संभावना भी बढ़ी है। वर्तमान में मरीज तेजी से रिकवरी कर रहा है। संस्थान में पिछले एक वर्ष के दौरान लगभग 75 किडनी कैंसर मरीजों का सफल उपचार किया जा चुका है।

धार्मिक आयोजनों से समाज में सद्भाव व आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है

सुदामा चरित्र एवं महाभोग के साथ श्रीमद्भागवत कथा का समापन

संनगर, दोपहर मेट्रो।

विजय नगर, लालघाटी स्थित महामृत्युंजय मंदिर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का समापन बुधवार को सुदामा चरित्र के भावपूर्ण प्रसंग और महापुराण पर भोग अर्पण के साथ संपन्न हुआ।

कथावाचिका साध्वी मंजरी प्रिया जी ने सुदामा चरित्र का मार्मिक वर्णन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की निष्काम एवं आदर्श मित्रता का महत्व बताया। उन्होंने कहा सच्ची भक्ति, विनम्रता और श्रद्धा से किया गया समर्पण ही भगवान को प्रिय होता है। सुदामा चरित्र हमें यह संदेश देता है कि परमात्मा अपने भक्तों के प्रेम और भाव के भूखे होते हैं, धन-संपत्ति के नहीं। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रीमद्भागवत कथा भारतीय संस्कृति, सनातन मूल्यों एवं मानव जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य ग्रंथ है। ऐसे आयोजनों से समाज में सद्भाव, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी माध्यम है। इसके श्रवण से मन को असीम शांति मिलती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं।

कथा के विश्राम अवसर पर श्रीमद्भागवत महापुराण की महाआरती कर विशेष भोग अर्पित किया गया। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। पूरे परिसर का वातावरण भक्ति और श्रद्धा के जयकारों से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम के अंत में आनंद सबधाणी ने सात दिवसीय सफल आयोजन के लिए मंदिर प्रबंधन, पंचायत, दीदियों, महिला मंडलों, सेवाभावी कार्यकर्ताओं और समिति के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग और सहभागिता से ही यह आयोजन निर्विघ्न और सफलतापूर्वक संपन्न हो सका है। इस आध्यात्मिक समापन अवसर पर मुख्य रूप से पार्षद अशोक मारन, अर्जुन वाधवानी, धीरज गोस्वामी, हरचंद गोलानी, विष्णु मारन, इंदरदास मेंघाणी, डॉ. माधव, राधेश्याम नाथानी, शिवम दुबे, बबीता वर्मा, हेमा, वंदना, पूजा, मनोज वर्मा, जितेंद्र सिरोठिया, गोदानी, डॉ. सहगल आदि श्रद्धालु उपस्थित थे।

ग्रामीण सुनिश्चित कर सकेंगे सक्रिय भागीदारी

वन अपराधों पर रोक लगाएगा विभाग द्वारा विकसित गुप्तचर एप

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वन और वन्य प्राणियों की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए वन विभाग ने 'गुप्तचर ऐप' विकसित किया है। यह ऐप स्थानीय नागरिकों को वन संरक्षण अभियान का सक्रिय भागीदार बनाएगा। गोपनीय पहचान के साथ ग्रामीण वन अपराधों की सूचना सीधे विभाग तक पहुंचा सकेंगे। ऐप वन विभाग और स्थानीय समुदाय के बीच समन्वय बढ़ाने के साथ वन संरक्षण के जन-अभियान को नई दिशा देगा।

विभागीय अधिकारियों की माने तो गुप्तचर ऐप की पंजीकरण प्रक्रिया सरल और उपयोगकर्ता अनुकूल बनाई गई है, जिससे वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले ग्रामीण आसानी से इससे जुड़ सकें। पंजीकरण के बाद प्रत्येक उपयोगकर्ता को एक विशिष्ट गुप्तचर आईडी प्रदान की जाती है, जिससे उसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय बनी रहती है। यह व्यवस्था लोगों को बिना किसी संकोच के वन अपराधों की सूचना देने के लिए प्रोत्साहित करेगी। रिपोर्टिंग प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ऐप में विभिन्न अपराधों की श्रेणियों वाली ड्रॉप-डाउन सूची भी दी गई है, जिससे प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित और सटीक कार्रवाई संभव होगी। दी जा सकेंगी इनकी सूचनाएं -पंजीकृत गुप्तचर अवैध वृक्ष कटाई, वन्यजीव शिकार, अतिक्रमण, आगजनी और अन्य वन अपराधों से संबंधित सूचनाएं।

भानपुर खंती के कचरे में आग लगाने का मामला, ननि की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल के भानपुर खंती क्षेत्र में नगर निगम की गंभीर लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। भानपुर खंती पर किए गए सोंधीकरण और हरियाली विकास कार्यों के बावजूद कचरे के ढेरों को छिपाने के लिए खुलेआम आग लगाने का मामला सामने आया है। यह स्थिति उस समय और भी चिंताजनक हो जाती है जब खुले में कचरा जलाने पर प्रतिबंध होने के बावजूद इस तरह की गतिविधियां जारी हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सोंधीकरण स्थल और हरियाली वाले पहाड़ के आसपास जमा कचरे में आग लगाकर उसे कम दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। कचरे से उठने वाला धुआं आसपास के क्षेत्रों में फैल रहा है, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ने

के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, कचरा जलाने से जहरीली गैसें वातावरण में फैलती हैं, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए बेहद खतरनाक हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा इस ओर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि नगर निगम स्वच्छता और हरित विकास के बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत दिखाई दे रही है। खुले में कचरा जलाने की घटनाएं प्रशासनिक निगरानी और जवाबदेही पर सवाल खड़े कर रही हैं। नागरिकों ने मांग की है कि भानपुर खंती क्षेत्र में कचरा जलाने की घटनाओं की तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए तथा कचरा प्रबंधन की वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो यह आने वाले समय में गंभीर पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है।

मेट्रो एंकर रेल मंत्रालय ने दी निशातपुरा रेलवे स्टेशन कमीशनिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी

सबसे अधिक यात्री सुविधा वाला स्टेशन बनेगा निशातपुरा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानीवासियों को रानी कमलापति, भोपाल, संतनगर, मिसरोद के अलावा निशातपुरा के रूप में जल्द ही पांचवां रेलवे स्टेशन मिलने जा रहा है। रेल मंत्रालय ने निशातपुरा रेलवे स्टेशन कमीशनिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। बुनियादी सुविधाएं पूरी होने के साथ ही निशातपुरा रेलवे स्टेशन ट्रेनों के हॉल्ट और यात्रियों के आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा। इसके साथ ही 8 ट्रेनों के स्टॉपेज यहां शुरू हो जाएंगे।

भोपाल रेल मंडल को निशातपुरा में यात्री सुविधाओं में इजाफा करने के लिए नए प्रोजेक्ट रेल मंत्रालय ने दिए है। बता दें कि

यात्री सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए भोपाल रेल मंडल ने माल परिवहन, टिकट चेकिंग अभियान, स्पेशल ट्रेनों का संचालन कर आमदनी में 14 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी है। निशातपुरा स्टेशन का निर्माण छोला स्थित हनुमान मंदिर के बगल में किया गया है। रेलवे ने यहां दो प्लेटफार्म समेत यात्रियों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई है। बाकी काम भी जल्द ही पूर्ण हो जाएगा। नए अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से लैस इस स्टेशन के बनने से भोपाल के निवासियों को इंदौर, उज्जैन और रतलाम की ओर रेल यात्रा करने में आसानी होगी। वर्तमान में भोपाल स्टेशन पर ट्रेन ट्रैफिक का दबाव बहुत अधिक है। पूरा रात, शाम और सुबह के समय एक साथ लगभग 210 जोड़ी ट्रेनों की आवाजाही होती है। प्रत्येक ट्रेन की पीछे आने वाली ट्रेन के बीच का समय अंतराल मुश्किल से 10 मिनट होता है। इस वजह से प्लेटफार्म पर ट्रैक खाली नहीं हो पाता। इससे पीछे आ रही ट्रेनों को मजबूरीवश आउटर पर खड़ी करना पड़ता है। ठीक यही स्थिति संत हिरदाराम नगर में भी होती है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि निशातपुरा स्टेशन बन जाने से ट्रैफिक का दबाव भोपाल और संत हिरदाराम नगर में कम हो जाएगा।

बंजर जमीन अब हरी-भरी, मियावाकी पद्धति से लगाए गए हजारों पौधे

नर्मदा तट पर उगा हरित जंगल, गूगल पर दिखने लगी हरियाली की चादर

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

नर्मदा तट को हराभरा बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा शुरू किया गया पौधारोपण अभियान अब सफलता की नई पहचान बनता नजर आ रहा है। कुछ वर्ष पहले जिन क्षेत्रों में सूखी जमीन और विरान दृश्य दिखाई देते थे, वहां अब घनी हरियाली विकसित हो चुकी है। आप ध्यान से देखेंगे तो मां की आकार दिखेगा।

मियावाकी पद्धति से लगाए गए हजारों पौधे तेजी से बढ़कर छोटे जंगल का रूप लेने लगे हैं। स्थिति यह है कि नर्मदा किनारे विकसित हुई यह हरित पट्टी अब गूगल अर्थ पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगी है। जिला प्रशासन ने नर्मदा तट संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को ध्यान में रखते हुए विशेष पौधारोपण अभियान चलाया था।

अभियान के तहत लगाए गए करीब पांच हजार पौधे अब घने वृक्षों में बदलने लगे हैं। पहले जहां खाली और सूखी भूमि नजर आती थी, वहां अब दूर तक हरियाली दिखाई देती है। गर्मी के मौसम में यह क्षेत्र स्थानीय लोगों और नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए राहत का केंद्र बन गया है।

पेड़ों की घनी छाया से तापमान में भी कमी

जनेकृविवि के विज्ञानी प्रो. शेखर सिंह बघेल बताते हैं कि मियावाकी पद्धति से विकसित जंगल सामान्य पौधारोपण की तुलना में तेजी से कार्बन अवशोषित करते हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार होते हैं। इससे न केवल वायु गुणवत्ता बेहतर होती है, बल्कि जैव विविधता को भी बढ़ावा मिलता है। पेड़ों की घनी छाया से तापमान में भी कमी महसूस की जा रही है।

भू-जल संरक्षण और पक्षियों को मिला नया आश्रय

पौधारोपण अभियान का प्रभाव केवल हरियाली तक सीमित नहीं है। घने वृक्षों और हरित आवरण के कारण क्षेत्र में भू-जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिला है। बारिश का पानी जमीन में अधिक मात्रा में रिस रहा है, जिससे जलस्तर सुधारने में मदद मिल रही है। इसके साथ ही क्षेत्र में पक्षियों और छोटे वन्य जीवों की गतिविधियां भी बढ़ी हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले जहां पक्षियों की आवाजें कम सुनाई देती थीं, वहां अब सुबह-शाम बड़ी संख्या में पक्षी दिखाई देते हैं। पर्यावरण विशेषज्ञ इसे जैव विविधता संरक्षण की दिशा में सकारात्मक संकेत मान रहे हैं।

अन्य हिस्सों में भी लागू होगा मॉडल

जिला प्रशासन अब इस मॉडल को जिले के अन्य हिस्सों में भी लागू करने की तैयारी कर रहा है। आगामी बारिश के मौसम में नर्मदा तट के अन्य क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थलों, शासकीय परिसरों और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने की योजना बनाई जा रही है।

यूसीसी से लेकर औद्योगिक क्रांति तक, मोहन यादव का बड़ा ऐलान-

प्रदेश में जल्द लागू होगा यूसीसी जनजातीय समुदाय रहेगा अलग

मध्यप्रदेश को 2047 तक देश का नंबर-1 राज्य बनाने का संकल्प

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नई दिल्ली में आयोजित इंडिया@2047 कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट संकेत दिए कि मध्यप्रदेश जल्द ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने वाला देश का अगला राज्य बन सकता है। उन्होंने कहा कि एक निशान, एक विधान और एक कानून की राष्ट्रीय भावना में कुछ भी गलत नहीं है और राज्य सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। इसके लिए सर्वोच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है, जो प्रदेशभर में विभिन्न वर्गों से सुझाव और राय एकत्र कर रही है।

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रदेश के सभी जनजातीय समुदायों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाएगा। उन्हें अपने पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामाजिक व्यवस्थाओं के अनुसार जीवन जीने की स्वतंत्रता बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि गुजरात में भी इसी प्रकार का प्रावधान अपनाया गया है।

डॉ. यादव ने कहा कि उनकी सरकार किसी भी व्यक्ति का मूल्यांकन जाति, धर्म या समुदाय के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी योग्यता के आधार पर करती है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का उदाहरण देते हुए कहा कि देश आज जनजातीय समाज से आने वाली महिला को सर्वोच्च संवैधानिक पद पर देख रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यूसीसी को लेकर सरकार सभी वर्गों के साथ संवाद और सहमति के आधार पर आगे बढ़ेगी।

लाड़ली बहना योजना पर सरकार का फोकस कायम

महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली बहना योजना के तहत पात्र महिलाओं को अब तक 36 किश्तों का भुगतान किया जा चुका है। योजना की शुरुआत से अब तक करीब 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सहायता महिलाओं के खातों में भेजी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार बहनों के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही है।

ईवी अपनाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत को लेकर भी बड़ा संदेश दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान से प्रेरित होकर उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदा है और अब वे अपनी यात्राएं इसी वाहन से करेंगे। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन न केवल ईंधन की बचत करते हैं बल्कि वायु प्रदूषण कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रदेश में औद्योगिक विकास को लेकर मुख्यमंत्री ने कई अहम आंकड़े साझा किए। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष में मध्यप्रदेश को करीब 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है। वहीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस-2025) में 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे, जिनमें से लगभग 30 प्रतिशत निवेश अब धरातल पर दिखाई देने लगा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा विस्तार

डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। राज्य गठन से लेकर वर्ष 2002-03 तक प्रदेश में केवल पांच मेडिकल कॉलेज थे, जबकि अब उनकी संख्या बढ़कर 30 हो चुकी है। इनमें से सात मेडिकल कॉलेज पिछले दो वर्षों में शुरू किए गए हैं। उन्होंने बताया कि खरगोन में टंट्या मामा, गुना में तात्या टोपे और सागर में रानी अवंतीबाई लोधी के नाम पर नए शासकीय विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं। प्रदेश के सभी 55 जिलों में पीएम एक्सीलेंस कॉलेज संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही विश्वविद्यालयों में कृषि संकाय की पढ़ाई शुरू की गई है और नए सांदीपनि विद्यालय भी तेजी से खोले जा रहे हैं।

भोजशाला, राम मंदिर और धार्मिक पर्यटन पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी धर्म का अपमान करना भारतीय संस्कृति नहीं है, लेकिन अपने धर्म और परंपराओं पर गर्व करना स्वाभाविक है। उन्होंने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण को न्यायालय के निर्णय के शांतिपूर्ण क्रियान्वयन का उदाहरण बताया। धार स्थित भोजशाला का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वहां मां सरस्वती (वाग्देवी) की प्रतिमा को वापस स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। साथ ही भोजशाला क्षेत्र के विकास को गति देकर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव की तैयारी

आंतरिक मूल्यांकन 30 की जगह होगा 40, सरकार का अब डिजिटल जांच पर फोकस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश का उच्च शिक्षा विभाग आने वाले समय में शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में कई बड़े बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। विभाग का फोकस अब एआई आधारित शिक्षण, डिजिटल मूल्यांकन, ऑनलाइन उपस्थिति और विद्यार्थियों की डिजिटल शैक्षणिक पहचान पर है। हालही में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में इन बदलावों की रूपरेखा पर मंथन किया गया है। सबसे बड़ा बदलाव परीक्षा और मूल्यांकन व्यवस्था में देखने को मिल सकता है। विभाग उत्तर पुस्तिकाओं के शत-प्रतिशत डिजिटल वैलिडेशन की दिशा में काम कर रहा है। इसके लागू होने के बाद कॉपियों की जांच और मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और विश्वसनीय होने की उम्मीद है। इससे परिणामों में देरी और मूल्यांकन संबंधी शिकायतों में भी कमी आ सकती है।

उच्च शिक्षा विभाग वर्तमान मूल्यांकन प्रणाली की समीक्षा भी कर रहा है। अभी 30 प्रतिशत आंतरिक मूल्यांकन और 70 प्रतिशत लिखित परीक्षा का प्रावधान है, लेकिन इसे 40:60 करने पर विचार किया जा रहा है। यदि ऐसा होता है तो विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई, प्रोजेक्ट कार्य और कक्षा में सहभागिता को अधिक महत्व मिलेगा। विभाग एआई को उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने की दिशा में काम कर रहा है। महाविद्यालयों में एआईसे जुड़े सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थी नई तकनीकों को समझ सकें और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें। साथ ही एआई टूल्स के जिम्मेदार और रचनात्मक उपयोग पर भी जोर दिया जा रहा है।

हर विद्यार्थी की बनेगी डिजिटल पहचान

विद्यार्थियों के लिए अपार आईडी तैयार करने का काम भी तेजी से चल रहा है। इसके जरिए छात्रों का पूरा शैक्षणिक रिकॉर्ड एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगा। इससे प्रवेश, अंकसूची, प्रमाण-पत्र और अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाएं आसान हो सकेंगी। विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए 'सार्थक ऐप' आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू करने की तैयारी की जा रही है। इससे कॉलेजों में उपस्थिति की निगरानी आसान होगी और कक्षाओं में नियमित सहभागिता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

विकास निगम की बैठक में नहीं बनी सहमति

जंगलों में निजी निवेश की योजना पर फिलहाल लगा ब्रेक, प्रस्ताव भी वापस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश वन विकास निगम ने वन भूमि पर व्यावसायिक वृक्षारोपण में निजी निवेशकों की भागीदारी का प्रस्ताव फिलहाल वापस ले लिया है। राज्य सरकार की स्पष्ट नीति बनने तक निगम इस दिशा में आगे नहीं बढ़ेगा।

यह फैसला बुधवार को वन भवन में निगम अध्यक्ष रामनिवास रावत की अध्यक्षता में हुई बोर्ड ऑफ गवर्नेंस की बैठक में लिया गया। बैठक में निगम की 10 हजार हेक्टेयर खाली वन भूमि पर कमर्शियल प्लांटेशन के लिए निजी निवेश आकर्षित करने का प्रस्ताव रखा

गया था।

इसके लिए 21 पेज का एक्शन प्लान भी तैयार किया गया था, पर बोर्ड सदस्यों के बीच इस पर सहमति नहीं बन सकी। बैठक में वन विभाग के प्रमुख सचिव संदीप यादव ने कहा कि राज्य सरकार इस विषय पर नीति तैयार कर रही है। नीति बनने के बाद ही ऐसे प्रस्तावों पर निर्णय लिया जाना चाहिए।

इसके बाद प्रस्ताव को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला लिया गया। बैठक में निगम की आय-व्यय की समीक्षा भी की गई। बोर्ड ने निगम के लाभ का 20त्न हिस्सा राज्य सरकार को लाभांश के रूप में देने पर सहमति जताई। अध्यक्ष रामनिवास रावत ने निगम की आय बढ़ाने के निर्देश दिए। वहीं प्रबंध संचालक एचयू खान ने एनएचएआई व एमपीआरडीसी जैसी सरकारी एजेंसियों के सड़क किनारे पौधरोपण का काम वन विकास निगम को सौंपने का प्रस्ताव रखा।

छतरपुर के लकड़ी फर्नीचर उद्योग को मिलेगी पहचान

भोपाल। छतरपुर के एक जिला एक उत्पाद लकड़ी फर्नीचर उद्योग को राष्ट्रीय बाज़ार, आधुनिक डिज़ाइन, ब्रांडिंग और निर्यात नेटवर्क से जोड़ने पर केंद्रित मध्यप्रदेश एक जिला-एक उत्पाद प्रगति सम्मेलन 2026 में 18 विषय विशेषज्ञों ने अनेक जानकारी साझा की। सम्मेलन का आयोजन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा किया गया। सम्मेलन में एमएसएमई विभाग, मध्यप्रदेश एवं ओएनडीसीके बीच एमओयू हुआ, जिससे प्रदेश भर के एमएसएमई उद्यमियों और स्टार्ट-अप्स को डिजिटल ई-कॉमर्स नेटवर्क से जोड़ने में सहयोगी सिद्ध होगा और उनके उत्पादों को देशभर में पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

राज्य मंत्रालय कर्मचारी संघ ने उठाई आवाज

प्रदेश में फिर शुरू होने वाले सेट को मिले हाईकोर्ट का दर्जा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार राज्य प्रशासनिक सेवा न्यायाधिकरण (सेट) को पुनः शुरू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इस संबंध में शासन स्तर पर सैद्धांतिक निर्णय लिया जा चुका है और आगे की प्रक्रिया जारी है। माना जा रहा है कि सेट की पुनर्स्थापना से सरकारी कर्मचारियों से जुड़े मामलों का जल्द निपटारा हो सकेगा तथा हाईकोर्ट पर बढ़ते मामलों का दबाव भी कम होगा। वर्तमान में कर्मचारियों से संबंधित बड़ी संख्या में मामले हाईकोर्ट और अन्य न्यायालयों में लंबित हैं। सेट के गठन के बाद ऐसे मामलों की सुनवाई भोपाल स्थित न्यायाधिकरण में होगी, जिससे कर्मचारियों का समय और खर्च दोनों बचेंगे। वहीं हाईकोर्ट को अन्य महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई के लिए अधिक समय मिल सकेगा। हालांकि कर्मचारी संगठनों ने इस व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए कुछ सुझाव भी दिए हैं। मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि यदि सेट के प्रत्येक फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की जाती रही तो न्याय मिलने की प्रक्रिया और लंबी हो सकती है। अभी कर्मचारी सीधे हाईकोर्ट जाते हैं, जबकि नई व्यवस्था में पहले सेट और फिर हाईकोर्ट का रास्ता तय करना होगा। संघ ने मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से मांग की है कि सेट के नियमों में स्पष्ट प्रावधान किया जाए कि किन मामलों में अपील होगी और किन मामलों

सीधे सुप्रीम कोर्ट में हो अपील

संघ ने यह भी सुझाव दिया है कि यदि कानूनी रूप से संभव हो तो सेट को हाईकोर्ट के समकक्ष दर्जा दिया जाए, ताकि उसके निर्णयों के खिलाफ सीधे सुप्रीम कोर्ट में अपील हो सके। इससे न्यायिक प्रक्रिया की एक अतिरिक्त सीढ़ी कम होगी और कर्मचारियों को समयबद्ध न्याय मिल सकेगा।

डीजीपी ने की दो वर्षों के पुरस्कारों की घोषणा

साहस को सलाम- 59 पुलिसकर्मियों को इस बार मिलेंगे रुस्तम जी पुरस्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए मप्र पुलिस के प्रतिष्ठित केएफ रुस्तम जी पुरस्कारों की घोषणा डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कर दी है। दो वर्षों के लिए कुल 59 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का चयन किया गया है। इनमें एटीएस, नक्सल विरोधी अभियान, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण, विशेष शाखा और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करने वाले अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं।

वर्ष 2022-23 के लिए 24 और वर्ष 2023-24 के लिए 35 अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार दिया जाएगा। इनमें परम विशिष्ट, अति विशिष्ट और विशिष्ट श्रेणी के सम्मान शामिल हैं। यह पुरस्कार उन पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को दिया जाता है, जिन्होंने दस्यु उन्मूलन, नक्सल विरोधी अभियान, सांप्रदायिक दंगों और कानून-व्यवस्था की गंभीर परिस्थितियों में कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया हो।

वर्ष 2023-24 के लिए परम विशिष्ट श्रेणी में पांच पुलिसकर्मियों का चयन किया गया है। इनमें तत्कालीन एएसपी रतलाम राकेश खाखा, तत्कालीन डीएसपी ग्वालियर नागेंद्र सिंह सिकरवार, निरीक्षक कंचन ठाकुर व एटीएस भोपाल के आरक्षक राजेश कुमार और कमलेश सिंह शामिल हैं।

मेट्रो एंकर | **25 किमी की रेंज और स्पीड 25 किमी प्रति घंटा**

इंदौर की महिला मैकेनिक्स ने 32 हजार में बनाई ई-साइकिल

बल्क कच्चा माल मंगाकर घटाएंगे लागत

कम कीमत में ग्राहकों को उपलब्ध कराएंगे साइकिल

इंदौर, दोपहर मेट्रो

पर्यावरण संरक्षण के लिए इन दिनों इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी दिशा में एक अभिनव पहल शहर में हुई है। एक ऐसी पहल जिसमें तकनीक का समावेश, पर्यावरण का हित, रोजगार की संभावना और महिला सशक्तीकरण का संदेश भी शामिल है। शहर की महिलाओं ने इलेक्ट्रिक साइकिल बनाई है।

यह साइकिल आईआईटी बांबे की मदद से बनाई है जिसका उद्देश्य आधुनिक तकनीक से लैस साइकिल समाज के उस वर्ग तक पहुंचाना है जो इलेक्ट्रिक साइकिल की कीमत ज्यादा होने के कारण उसे चला नहीं पाते। शहर में यह पहल महिला मैकेनिक गैराज यंत्रिका सर्विस सेंटर की महिलाओं ने की है। साइकिल बनाने वाली ये वे महिलाएं हैं जिन्हें समान सोसायटी द्वारा मैकेनिक के रूप में प्रशिक्षित किया गया था।

आईआईटी के छात्रों ने की मदद- यह इलेक्ट्रिक साइकिल एक बार चार्ज होने पर लगभग 25 किलोमीटर तक चल सकती है और इसकी अधिकतम गति 20 से 25 किलोमीटर प्रति घंटा है। इस साइकिल का नाम यंत्रिका ई-साइकिल रखा गया है। इसे शिवानी रघुवंशी, सपना जाधव, शिवांगी बंसल और दिव्या गोहिल ने बनाया है। साइकिल बनाने के शुरुआती चरण में आईआईटी बांबे की मदद ली गई थी, जिसके चलते वहां के विद्यार्थी इंदौर आए थे और इन महिलाओं की मदद की। हालांकि शुरुआत में कई तकनीकी चुनौतियां भी सामने आई और साइकिल कम दूरी ही तय कर पा रही थी। इसके बाद करीब एक माह की मेहनत में महिलाओं ने साइकिल बना ली।

कम लागत में उपलब्ध करवाई जाएगी साइकिल

समान सोसायटी के डायरेक्टर राजेंद्र बंधु के अनुसार इस साइकिल को बनाने में करीब 32 हजार रुपये की लागत आई है, लेकिन इसकी कीमत काफी कम रखी जाएगी ताकि लोग इसे आसानी से खरीद सकें। चूंकि आगे कच्चा माल बल्क में बुलवाया जाएगा, जिससे लागत कम होगी और हम आसानी से कम कीमत में साइकिल उपलब्ध करवा पाएंगे। यह कदम पर्यावरण हित में सहायक होगा।

राजनीतिक विरासत व संघर्ष

सत्ता का स्वभाव नदी की धारा जैसा होता है। वह कभी एक किनारे पर स्थायी नहीं ठहरती। जो नेता इस सत्य को समझ लेते हैं, वे इतिहास में सम्मान पाते हैं; जो नहीं समझते, वे अक्सर संघर्षों और कटुताओं के बीच अपनी राजनीतिक विरासत खो बैठते हैं। कर्नाटक में हुए नेतृत्व परिवर्तन को इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह केवल मुख्यमंत्री बदलने की घटना नहीं, बल्कि एक राजनीतिक दल की परिपक्वता, उसकी आंतरिक चुनौतियों और भविष्य की दिशा का संकेत है। पिछले कुछ महीनों से कर्नाटक की राजनीति में अटकलों का बाजार गर्म था। सत्ता परिवर्तन होगा या नहीं, नेतृत्व बदलेगा या नहीं, इन सवालों के जवाब राजनीतिक गलियारों में तलाशे जा रहे थे। अंततः कांग्रेस ने वह निर्णय लिया, जिसका संकेत लंबे समय से दिया जा रहा था। अब राज्य की बागडोर एक नए नेतृत्व के हाथों में होगी, जबकि निवर्तमान मुख्यमंत्री सम्मानजनक तरीके से अपनी भूमिका पूरी कर चुके हैं। लेकिन इस बदलाव को केवल पद परिवर्तन के रूप में देखना बड़ी भूल होगी। दरअसल, यह कांग्रेस के भीतर चल रहे उस संतुलन का परिणाम है, जो चुनावी जीत के बाद से लगातार चुनौती बना हुआ था। एक तरफ जनाधार और सामाजिक समीकरणों पर मजबूत पकड़ रखने वाला नेतृत्व था, दूसरी तरफ संगठन को खड़ा करने और चुनावी मशीनरी को सक्रिय रखने वाला चेहरा। दोनों की राजनीतिक उपयोगिता निर्विवाद थी और दोनों की महत्वाकांक्षाएं भी स्वाभाविक थीं। कांग्रेस की सबसे बड़ी परीक्षा चुनाव जीतने के बाद शुरू हुई थी। किसी विपक्षी दल को हराना आसान हो सकता है, लेकिन अपनी ही पार्टी के दो प्रभावशाली केंद्रों के बीच संतुलन बनाए रखना कहीं अधिक कठिन होता है। अब पार्टी ने उस संतुलन को नए रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है। यह निर्णय जोखिम भरा भी है और आवश्यक भी। नए नेतृत्व के सामने चुनौती केवल सरकार चलाने की नहीं है। उसे उस राजनीतिक विरासत को भी संभालना होगा जिसने राज्य में पार्टी को मजबूत आधार दिया। सामाजिक न्याय, कल्याणकारी योजनाएं और विभिन्न वर्गों के बीच बना विश्वास केवल नीतियों से नहीं, बल्कि राजनीतिक संवाद से भी संचालित होता है। यदि इस भरोसे में कहीं दरार आती है तो उसका असर आने वाले चुनावों में दिखाई दे सकता है।

दिनों दिन बढ़ता जलसंकट... आसमान से बरसता 'अमृत', नालियों में बहता भविष्य

डॉ. अनिल कुमार निगम
स्तंभकार

भारत में जल संकट दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। पृथ्वी का लगभग 71 प्रतिशत भाग जल से ढँका हुआ है, किंतु पीने योग्य मीठे पानी की मात्रा अत्यंत सीमित है। इसमें अतिश्योक्ति नहीं होगी अगर भविष्य में भारत के कुछ क्षेत्रों में ऐसी स्थिति आ जाए जहां पानी पेट्रोल से अधिक मूल्यवान हो जाए और पर्याप्त पैसा होने के बावजूद तत्काल स्वच्छ पानी उपलब्ध न हो। देश में जब भीषण गर्मी पड़ती है, शायद तभी हमें जल संकट की याद आती है लेकिन यह समस्या 'सुरसा के मुंह' की तरह प्रत्येक वर्ष गंभीर होती जा रही है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है।

विभिन्न सरकारी रिपोर्टों, केंद्रीय जल बोर्ड के आकलनों और हालिया अध्ययनों के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में 2023-24 में भूजल दोहन 100.77 प्रतिशत तक पहुंच गया था, अर्थात् पुनर्भरण से अधिक पानी निकाला गया। 2024-25 में यह घटकर 92.1 प्रतिशत हुआ, फिर भी कई क्षेत्र ओवर-एक्सप्लॉइटेड हैं। बेंगलूरू में भूजल दोहन लगभग 177.3 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। शहर में लगभग 3.7 लाख बोरवेल सक्रिय हैं और जल टैंकरों पर निर्भरता बढ़ रही है। जबकि 2025 के आकलन में बेंगलूरू और हैदराबाद को भारत के महानगरों में सबसे गंभीर भूजल संकट वाले शहर बताया गया। कई क्षेत्रों में जलस्तर 28 मीटर गहराई तक पहुंच गया है।

देश के 54 बड़े शहरी केंद्रों में से 23 शहरों में भूजल स्तर में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण गिरावट आई है। गिरावट की दर कई शहरों में 0.12 से 0.45 मीटर प्रति वर्ष तक पाई गई। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और बेंगलूरु जैसे महानगरों में अत्यधिक भूजल दोहन के कारण भूमि धंसाव की समस्या भी सामने आ रही है। पानी की बढ़ती समस्या के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। अधिसंख्य हाईराइज कॉलोनियों या सोसाइटियों में पानी की आपूर्ति के लिए निजी बोरवेल लगे होते हैं। वर्षों तक लगातार भूजल निकालने से जलस्तर नीचे चला जाता है और बोरवेल सूखने लगते हैं। टंकियों से पानी का ओवरफ्लो होना सामान्य बात है।

दूसरा प्रमुख कारण वर्षा जल संचयन का अभाव है। वास्तविकता तो यह है कि अनेक शहरों में पानी रिचार्ज करने से अधिक भू दोहन कर निकाला जा रहा है। सोसायटियों और मकानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था नहीं है। अगर कहीं पर है भी तो वे महज शो पीस बनकर रह गए हैं क्योंकि वे फंक्शनल भी हैं या नहीं, इसकी नियमित निगरानी का जबरदस्त अभाव है। इसलिए बारिश का पानी सीधे नालियों में चला जाता है, जिससे भूजल का पुनर्भरण नहीं हो पाता।

विकास के नाम पर भवनों, सड़कों और अन्य निर्माण कार्य अनियोजित तरीके से चल रहा है। भवनों के प्रांगण, सड़कों के किनारे, आंगन, खाली प्लॉट और मिट्टी वाले क्षेत्र अब सीमेंट, टाइल्स और कंक्रीट से ढँक दिए गए हैं। इससे वर्षा का पानी जमीन में जाने का रास्ता बंद हो चुका है। इसके अलावा आरओ सिस्टम का अपशिष्ट जल घरों में लगे आरओ फिल्टर एक लीटर शुद्ध पानी के लिए 2-4 लीटर तक पानी बाहर निकाले जाने से पानी नालियों में बह जाता है। कई कॉलोनियों में पानी की पाइप लाइनें पुरानी हैं। लीकेज से बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद होता है। यही नहीं, पुराने तालाब, कुएं और जोहड़ शहरीकरण की भेंट चढ़ गए हैं। इससे प्राकृतिक जल संचयन प्रणाली कमजोर हो गई है। सबसे अहम बात यह है कि लोगों में पानी की बर्बादी रोकने को लेकर जागरूकता का भारी अभाव है।

देश में जल संकट का सबसे बड़ा कारण पानी की कमी नहीं बल्कि वर्षा जल का खराब प्रबंधन है। भारत में औसतन 1100-1200 मिमी वर्षा होती है, जो विश्व औसत से कम नहीं है। समस्या यह है कि वर्षा का अधिकांश पानी कुछ दिनों में बहकर नदियों और अंततः समुद्र में चला जाता है, जबकि हम साल भर भूजल निकालते रहते हैं। यदि शहरों, सोसाइटियों, संस्थानों और उद्योगों में बड़े पैमाने पर वर्षा जल संचयन के लिए रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से लागू हो जाए, तो जल संकट का बड़ा हिस्सा नियंत्रित किया जा सकता है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के पानी का सौ प्रतिशत पुनः उपयोग फ्लशिंग, बागवानी और सफाई करने के लिए उपयोग किया जाना चाहिए।

भारत में इस गंभीर समस्या के बारे में कह सकते हैं कि जल संकट का समाधान आसमान से गिरता है लेकिन हम उसे नालियों में बहा देते हैं। बिजली ऑडिट की तरह हर बड़ी सोसाइटी का वार्षिक जल ऑडिट हो और यह अनिवार्य कर दिया जाए कि जितना भूजल सोसायटी निकालेंगी, उतना या उससे अधिक रिचार्ज करना कानूनी रूप से अनिवार्य होगा। अधिकांश शहरों ने अपने प्राकृतिक जलाशयों को खो दिया है। इसलिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण काम किया जाना चाहिए कि शहरी झीलों और तालाबों का पुनर्जीवन किया जाए। भारत के इन्हें पुनर्जीवित करना भूजल रिचार्ज का सबसे सस्ता और प्रभावी तरीका है।

इस मामले में हमें इजराइल से सीखने में भी कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। उसने जल संकट पर नियंत्रण रखने के लिए वर्षा जल संरक्षण, जल पुनर्चक्रण, ड्रिप सिंचाई, और समुद्री जल का शोधन कर जल संकट को काफी हद तक नियंत्रित किया है। हमें जल संचयन के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे तभी हम आसमान से बरसने वाले 'अमृत' (पानी) को नालियों में बहने से रोक पाएंगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

एमआरपी का मायाजाल... देश का उपभोक्ता आखिर कब तक लुटता रहेगा?

संगीता शर्मा
स्तंभकार

बाजार में बिकने वाली लगभग हर वस्तु पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए शुरू की गई यह व्यवस्था अब कई सवालों के घेरे में है, विशेषकर दवाइयों और रोजमर्रा के उपयोग के सामानों की कीमतों को लेकर। उपभोक्ता संगठनों का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में कंपनियां मनमाने तरीके से एमआरपी तय कर रही हैं, जिससे आम आदमी आर्थिक शोषण का शिकार हो रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार एमआरपी वह अधिकतम कीमत होती है, जिस पर कोई वस्तु उपभोक्ता को बेची जा सकती है। इसमें उत्पादन लागत, पैकेजिंग, परिवहन, टैक्स और विक्रेता का लाभ शामिल होता है। एमआरपी व्यवस्था लागू होने से पहले अलग-अलग राज्यों और शहरों में एक ही उत्पाद की कीमत अलग-अलग होती थी। इसी असमानता को समाप्त करने के लिए सरकार ने उत्पादों पर एमआरपी अंकित करना अनिवार्य किया था। लेकिन अब उपभोक्ता संगठनों का कहना है कि यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटक चुकी है।

सबसे अधिक सवाल दवाइयों की कीमतों को लेकर उठ रहे हैं। एक ही साल्ट की दवा अलग-अलग ब्रांड नामों से बाजार में कई गुना अधिक कीमत पर बेची जा रही है। जहां जन औषधि केंद्रों पर वही दवा बेहद कम कीमत पर उपलब्ध होती है, वहीं निजी मेडिकल स्टोर्स पर उपभोक्ताओं को उसी दवा के लिए कई गुना अधिक भुगतान करना पड़ता है। उपभोक्ता संगठनों का कहना है कि दवा का मूल तत्व समान होने के बावजूद कीमतों में इतना बड़ा अंतर केवल ब्रांडिंग, मार्केटिंग और वितरण व्यवस्था के कारण है।

बाजार में आज ऐसी स्थिति बन गई है कि कंपनियां पहले उत्पाद पर अत्यधिक ऊंची एमआरपी छापती हैं और फिर भारी छूट का दावा कर उपभोक्ताओं को आकर्षित करती हैं। उपभोक्ता को लगता है कि उसे सस्ता सामान मिल रहा है, जबकि वास्तविकता में वस्तु की मूल कीमत कहीं कम होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि एमआरपी अब उपभोक्ता हितों की सुरक्षा से अधिक कंपनियों के मुनाफे का माध्यम बनता जा रहा है।

उपभोक्ता अधिकारों पर काम करने वाले संगठनों का कहना है कि अधिकांश लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं। बहुत से उपभोक्ता बिना बिल के सामान खरीद लेते हैं और बाद में शिकायत करने की स्थिति में उनके पास कोई प्रमाण नहीं होता। दवाइयों के मामले में भी लोग केवल ब्रांड नाम देखकर दवा खरीद लेते हैं और उसके साल्ट या जेनेरिक विकल्प के बारे में जानकारी नहीं लेते। यही कारण है कि उपभोक्ता अक्सर अधिक कीमत चुकाने को मजबूर हो जाते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कोई दुकानदार एमआरपी से अधिक कीमत वसूलता है या बिल देने से मना करता है तो उपभोक्ता राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन, उपभोक्ता आयोग, लीगल मेट्रोलॉजी विभाग या औषधि नियंत्रक विभाग से शिकायत कर सकता है। ऑनलाइन शिकायत की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं लेकिन जागरूकता की कमी के कारण अधिकांश लोग इन अधिकारों का उपयोग नहीं कर पाते।

इसी मुद्दे को लेकर उपभोक्ता जागरूकता अभियान चला रही संस्था अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने सरकार से एमआरपी व्यवस्था पर सख्त कानून बनाने की मांग की है। संगठन का कहना है कि वर्तमान में एमआरपी तय करने की कोई प्रभावी सीमा या पारदर्शी व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण कंपनियां मनमाने तरीके से कीमतें निर्धारित कर रही हैं। संगठन यह भी मांग कर रहा है कि उत्पादों पर केवल एमआरपी ही नहीं बल्कि उत्पादन लागत भी अंकित की जाए ताकि उपभोक्ता वास्तविक मूल्य को समझ सके।

इन मांगों को लेकर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत 12 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना आयोजित करने जा रही है। संगठन का कहना है कि सरकार को एमआरपी निर्धारण, उसकी समीक्षा और नियंत्रण के लिए स्पष्ट कानून बनाना चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को अनुचित मूल्य वसूली से बचाया जा सके। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार विशेष रूप से दवाइयों, सौंदर्य प्रसाधनों और रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पादों में मूल्य निर्धारण की पारदर्शिता बेहद आवश्यक है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

बिना किसी बात के बुरा मानने की आदत हो सकती है पैरानोइया का संकेत

कुछ लोग ऑफिस, स्कूल और कॉलेज में दोस्तों और अन्य सहकर्मियों के साथ होने वाली छोटी-छोटी बातों पर भी लंबे समय तक गुस्सा हो जाते हैं। सामान्य किसी तरह का कमेंट या मजाक भी लोगों को ऐसा महसूस होता है कि लोग उन्हें जानबूझकर टारगेट कर रहे हैं। ऐसे में व्यक्ति के मन में शक रहता है कि दूसरे उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं या उन्हें नुकसान पहुंचा रहे हैं। अगर, सामने वाले व्यक्ति आपके साथ हल्के मूड में बात कर रहे हैं और उनकी बातों पर जरूरत से ज्यादा सीरियसली रिएक्ट कर रहे हैं तो यह पैरानोइया का संकेत हो सकता है। ऐसे में व्यक्ति लोगों से बात करने में कतराने लगता है। साथ ही, ज्यादातर समय अकेले ही बिताना पसंद करता है।

क्लीवलैंड क्लीनिक के अनुसार जब व्यक्ति बिना किसी ठोस कारण दूसरों पर इस बात का शक करता है कि वह हमेशा उसके खिलाफ बात करते हैं या उसे नुकसान पहुंचा सकते हैं। सोचने की यह स्थिति पैरानोइया की ओर संकेत करती है। यह विचार इतने अधिक तीव्र हो सकते हैं कि इनकी गंभीरता कुछ समय या लंबे समय तक के लिए भी बनी रह सकती है। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि साइकोसिस से पीड़ित करीब 70 फीसदी से अधिक लोगों में पैरानोइया के लक्षण दिखाई दे सकते हैं। कई बार व्यक्ति जो बातें सच नहीं होती है उनके बारे में भी भ्रम में रहते हैं।

एनसीबीआई के अनुसार कुछ लोगों को अनुवांशिक कारणों के चलते पैरानोइया हो सकता है। न्यूरोट्रांसमीटर में बदलाव इसका कारण हो सकता है। न्यूरोट्रांसमीटर में बदलाव होने पर आपके मस्तिष्क तक जाने वाले संकेत,फीलिंग्स और विचार प्रभावित हो सकते हैं। जनरल ऑफ साइकोसिस एंड रिलेटेड डिस्ऑर्डर के अनुसार बचपन में किसी तरह का ट्रामा जैसे अन्य बच्चों द्वारा बुली करना या किसी बात को लेकर हमेशा चिढ़ाना। तनाव में रहने की वजह से भी आपके विचार प्रभावित हो सकते हैं, जो पैरानोइया की वजह बन सकते हैं।

पैरानोइया के लक्षण

यह अलग-अलग रूपों में दिख सकता है। व्यक्ति दूसरे व्यक्तियों पर आसानी से भरोसा नहीं कर पाता है। उनको हमेशा दूसरों पर शक बना रहता है। व्यक्ति को लगता है कि लोग उसके खिलाफ बातें कर रहे हैं या उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। व्यक्ति बिना वजह बुरा मान जाते हैं। मानसिक स्वास्थ्य एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर पैरानोइया के लक्षण बार-बार महसूस हो रहे हों और यह मरीज की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगे, तो ऐसे में उन्हें तुरंत विशेषज्ञ की मदद लेनी चाहिए।

सुविचार

जिंदगी एक शिक्षक की तरह होती है जो, समय-समय पर सबकी परीक्षा लेती है।

-अज्ञात

निशाना पुज रहा अज्ञान..!

दिनेश मालवीय 'अश्क'

काम जब आए नहीं कुछ भी सरलता फिर सरल इंसान आखिर क्या करे
पुज रहा अज्ञान हो संग धूर्तता के निष्कपट विद्वान आखिर क्या करे।
कुछ भला तुमने किसी का भी किया ना ईश फिर कल्याण आखिर क्या करे
आवरण ही आवरण, ना आचरण है कोई भी सम्मान आखिर क्या करे।
श्रम किया पुरुषार्थ न कुछ भी दिखाया ईश का गुणगान आखिर क्या करे
लग गया हो श्राप जब निश्छल किसीका कोई फिर वरदान आखिर क्या करे।

गैजेट फीचर्स

धोखा देने वालों को पहचानेगा गूगल, फोन में वॉर्निंग देकर बताएगा कॉलर असली है या नकली

गूगल ने एंड्रॉयड स्मार्टफोन चलाने वाले यूजर्स के लिए इस महीने का बड़ा अपडेट रिलीज किया है। इनमें सबसे खास फेक कॉल डिटेक्शन है। अब एंड्रॉयड फोन्स में कॉल करने वाले स्कैमर्स यानी धोखेबाजों की पहचान गूगल का 'Phone app' करेगा। वह बैकएंड से पता लगाएगा कि कॉल करने वाला सही व्यक्ति है या धोखेबाज। किसी भी तरह की गड़बड़ी होने पर फोन की स्क्रीन में वॉर्निंग मैसेज आएगा।

गूगल इस फीचर को उन सभी फोन्स के लिए लेकर आया है, जो एंड्रॉयड 12 या उससे आगे के ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलते हैं। इसका काम फर्जी कॉल्स की तुरंत पहचान करना है। जब भी कोई स्कैमर किसी व्यक्ति को उसका भरोसेमंद बनकर फोन करेगा तो गूगल बैकएंड से पता लगाएगा कि कॉलर असली है या नकली। गूगल का 'फोन ऐप' किसी भी गड़बड़ी का पता लगने पर अपने यूजर्स को उनके फोन में ही वॉर्निंग यानी चेतावनी देना शुरू कर देगा। इससे पता चल पाएगा कि कॉल करने वाला व्यक्ति धोखेबाज है। इस फीचर को वो ही लोग उपयोग कर पाएंगे जिनके फोन में गूगल का फोन ऐप है। इस ऐप 'Phone by Google' को प्ले स्टोर से डाउनलोड और इंस्टॉल किया जा सकता है।

इसका सर्कल टु सर्च फीचर लगातार अपग्रेड हो रहा है। अगर आपको इंटरनेट पर किसी फोटो में किसी का भी पहनावा पसंद आता है तो कपड़े, जूते या ग्लास अलग-अलग सर्च करने की जरूरत नहीं है। यूजर को फोटो पर सर्कल बनाना होगा। एआई टूल ऊपर से नीचे तक पहनी गई सभी चीजों को ढूंढकर उनके लिंक्स दे देगा। यह फीचर एंड्रॉयड 14 या उससे ऊपर के डिवाइस पर काम करेगा।

फोटोज में बनाएं डिजिटल वॉर्डरोब: गूगल फोटोज अब एआई की मदद से आपकी पुरानी फोटोज को स्कैम करके एक डिजिटल वॉर्डरोब तैयार कर देगा। आप अपने ही कपड़ों को फोन पर अलग-अलग मैच करके देख सकते हैं और बिना पहने ही उनका वर्चुअल ट्राई-ऑन ले सकते हैं। यह फीचर भारत, अमेरिका और ब्राजील में अगले हफ्ते से शुरू हो रहा है और एंड्रॉयड 10 से ऊपर की डिवाइस पर काम करेगा।

बच्चों के लिए 'Personal Safety' ऐप के साथ नए सिक्योरिटी फीचर ला रहा है। बच्चे के फोन की लॉक स्क्रीन पर उसकी मेडिकल जानकारी और इमरजेंसी कॉन्टैक्ट नंबर दिखेंगे। इसमें कार क्रैश डिटेक्शन भी होगा, जो दुर्घटना की स्थिति में कॉल कर देगा। इसके अलावा, Google Play Books में भी एआई मददगार बनेगा। किसी कहानी को आधा पढ़कर कुछ दिन बाद फिर उसे पढ़ने गए तो Catch me up बटन दबाते ही AI आपको पुरानी कहानी का शॉर्ट समरी दे देगा।

वायरल कंटेंट

रूस के सरकारी घर पर भी एक नजर, भारत के घरों से अलग मिलती हैं सुविधाएं!

भारत में सरकारी फ्लैटों का आवंटन एक लंबी प्रक्रिया के तहत किया जाता है। अलग-अलग राज्यों में नियम भले अलग हों, लेकिन आमतौर पर आवेदन, पात्रता जांच और लॉटरी जैसी प्रक्रियाओं के बाद लोगों को फ्लैट आवंटित किए जाते हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर रूस के एक सरकारी फ्लैट का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखकर कई लोग हैरान रह गए हैं।

वायरल वीडियो में एक महिला अपने परिवार को मिला पुराना सरकारी फ्लैट दिखाती नजर आती है। जानकारी के अनुसार, यह फ्लैट सोवियत यूनियन के दौर में उसकी दादी को आवंटित किया गया था। कई दशक पुराने होने के बावजूद घर की बनावट और सुविधाएं लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं।

56 साल बाद भी जस का तस : वीडियो में फ्लैट का इंटीरियर काफी व्यवस्थित नजर आया। कमरों की डिजाइन, खिड़कियों की बनावट और घर के भीतर उपलब्ध सुविधाओं को देखकर कई यूजर्स प्रभावित हुए। सबसे ज्यादा चर्चा उन सुविधाओं की हो रही है जो वर्षों पहले बनाए गए इस फ्लैट में पहले से मौजूद थीं। महिला वीडियो में बताती है कि घर में गर्म और ठंडे पानी दोनों की व्यवस्था उपलब्ध है। ठंडे देशों में यह सुविधा बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। रूस जैसे देश में जहां सर्दियों के दौरान तापमान शून्य से काफी नीचे चला जाता है, वहां घरों में हीटिंग सिस्टम जीवन का जरूरी हिस्सा होता है। वीडियो के अनुसार, फ्लैट में हीटर की व्यवस्था भी मौजूद है, जिससे सर्द मौसम में घर के अंदर तापमान आरामदायक बना रहता है। इसके अलावा कुछ दर्शकों ने घर में दिखाई गई आधुनिक सुविधाओं को देखकर आश्चर्य व्यक्त किया। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने टिप्पणी की कि इतनी पुरानी इमारत में भी सुविधाओं का स्तर काफी अच्छा दिखाई देता है।

भारत से अलग हालात: भारत में सरकारी फ्लैट्स कुछ ही साल में बदहाल हो जाते हैं। कहीं दीवार फटने लगती है तो कहीं दरवाजे टूटने लगते हैं। लेकिन इस फ़्लैट की हालत 56 साल भी ज्यों की त्यों बनी हुई है। भारत और रूस की भौगोलिक परिस्थितियां एक-दूसरे से काफी अलग हैं। भारत के अधिकांश हिस्सों में अत्यधिक ठंड नहीं पड़ती, जबकि रूस दुनिया के सबसे ठंडे देशों में गिना जाता है। इसी वजह से वहां के आवासीय ढांचे में हीटिंग और गर्म पानी जैसी सुविधाएं बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। कई यूजर्स ने इस अंतर को समझाते हुए कहा कि दोनों देशों की जरूरतें अलग-अलग हैं, इसलिए आवासीय सुविधाओं की तुलना सीधे तौर पर नहीं की जा सकती। फिर भी वीडियो देखने वाले कई लोगों ने रूस के इस सरकारी फ्लैट की तारीफ की। कुछ यूजर्स ने लिखा कि घर काफी आरामदायक और व्यवस्थित नजर आ रहा है। वहीं कई लोगों ने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि दशकों पहले आवंटित सरकारी फ्लैट में इतनी सुविधाएं देखने को मिलेंगी।

संविदा स्वास्थ्यकर्मी, आशा-पर्यवेक्षक-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

रतलाम। दोपहर मेट्रो

शहर में गत दिवस का दिन धरना प्रदर्शन, नारेबाजी ज्ञापन के नाम रहा। संविदा स्वास्थ्य कर्मियों के अलावा आशा-पर्यवेक्षक और आंगनवाडी कार्यकर्ता अपनी-अपनी मांगों के निराकरण के लिए प्रदर्शन करती नजर आई। संविदा स्वास्थ्य कर्मी गुलाब चक्कर में, आशा-पर्यवेक्षकों जिला अस्पताल और महिला बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कलेक्टोरेट में प्रदर्शन कर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा।

महिला बाल विकास विभाग में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन कलेक्टोरेट में नायब तहसीलदार रामचंद्र पाण्डे सौंपा। जिसमें उन्होंने मांग की कि हमें भी राज्य कर्मचारी के रूप में नियमित कर सभी सुविधाएं दी जाए। न्यूनतम पेंशन 5 हजार रुपए दी जाए। रिटायरमेंट की उम्र 65 वर्ष की जाए। कार्यकर्ता-सहायिकाओं के मानदेय अंतर कम किया जाए। ज्ञापन के माध्यम से मांगों का निराकरण करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि मृत्यु पर बहू-बेटी को अनुकम्पा नियुक्ति दी जाए। कार्य के दौरान मृत्यु पर सांत्वना राशि 5 लाख रुपए दी जाए। किसी भी अधिकारी के

द्वारा सेवा से पृथक करने की कार्यवाही नहीं की जानी चाहिए, यह विभागीय अधिकारियों के अधिकार सुरक्षित रहें। इस दौरान ज्ञापन का वचन स्वाति जोशी ने किया। आभार दीपिका चौहान ने माना। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ से दिलीप मेहता, भारतीय मजदूर संघ जिला अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, प्रमोद पाठक, अशोक शर्मा आदि सहित करीब डेढ़ हजार आंगनवाड़ी-कार्यकर्ता-सहायिकाएं शामिल हुई। आशा-उषा-आशा पर्यवेक्षक एकता यूनियन की ओर से मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संचालक से प्रोत्साहन राशि का माह की 5 तारीख तक नियमित बिना कटौती के भुगतान सहित नौ सूत्रियों मांगों के संबंध में कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। इसके पूर्व जिला अस्पताल परिसर में उन्होंने जमकर नारेबाजी की। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने बताया कि अनुचित कटौती रोकी जाए, वेतन पर्ची में अर्जित वेतन, कटौती की राशि भुगतान किए जाने वाली राशि एवं बकाया राशि की जानकारी दी जाए। विभागीय अधिकारियों द्वारा अनुचित एवं मनमाने तरीके से सेवा समाप्ति करने से रोका जाए, आशा एवं पर्यवेक्षकों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मीनाक्षी गोड़, सचिव अनिता काकन्या, कृष्णा पंवार मौजूद रही।

हड़ताल के दौरान की जमकर नारेबाजी

जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एनएचएम के अंतर्गत कार्यरत संविदा कर्मचारी काम बंद कर चरणबद्ध आंदोलन पर हैं। मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर अमल न होने से नाराज, नियमितीकरण सहित आठ मांगों को लेकर दिए 20 दिन का अल्टीमेटम के बाद जिले के लगभग 509 कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर कार्य किया। मंगलवार को मां कालका के चरणों में ज्ञापन सौंपा। बुधवार को चार घंटे चले प्रदर्शन के दौरान संविदा एकता जिन्दाबादज्आज करो अर्जेंट करो हमको परमानेंट करों के नारों से गुलाब चक्कर गूंज उठा।

प्रमुख मांगों में नियमितीकरण का लाभ

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ मप्र ने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में पूर्व में हुई सहमति के बावजूद मांगों पर कोई ठोस कदम न उठाए जाने पर आक्रोश व्यक्त किया है। संघ पदाधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री ने 30 जनवरी 2023 को दशहरा मैदान में की गई नियमितीकरण की घोषणा पर भी अमल नहीं हुआ है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में नियमितीकरण का लाभ, सामान्य प्रशासन 2023 की नीति अनुसार अनुकंपा नियुक्ति व स्वास्थ्य बीमा, अन्य राज्यों की भांति 10 प्रतिशत वार्षिक वेतनवृद्धि, नियमित कर्मचारियों की तरह महंगाई भत्ता, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के वेतन में पीएफ समायोजन, समकक्षता निर्धारण पर पुनर्विचार और नियमित कर्मचारियों की भांति अवकाश शामिल हैं। प्रदर्शन दोपहर सुबह 10 से 2 बजे तक चला। इस दौरान संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर रहें। इनमें एएनएम, स्टॉफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, संविदा डॉक्टर, प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट, तकनीकी और मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ता आदि शामिल रहें।

न्यूज विंडो

मुख्यमंत्री की सद्बुद्धि के लिए युवा कांग्रेस ने किया हवन

गंजबासौदा। युवक कांग्रेस द्वारा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सद्बुद्धि एवं जनहितकारी सोच के लिए सद्बुद्धि हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम युवक कांग्रेस विदिशा जिला उपाध्यक्ष सौरभ दुबे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस मौके पर सौरभ दुबे का कहना है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री को वरिष्ठ नेताओं के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने के बजाय किसानों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं की सुरक्षा तथा गरीब वर्ग के उत्थान जैसे महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और अन्य कई समस्याओं से जूझ रही है, इसलिए सरकार को जनसेवा और विकास कार्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हवन के माध्यम से ईश्वर से प्रार्थना की कि मुख्यमंत्री को सद्भावना, मर्यादित आचरण और जनहित के प्रति समर्पित सोच प्राप्त हो, जिससे प्रदेश के विकास और आमजन के कल्याण के लिए प्रभावी कार्य किए जा सकें। कार्यक्रम में युवा कांग्रेस नगर अध्यक्ष रविंद्र अहिरवार, जगदीश व्यास, रवि यादव, प्रमोद ठाकुर, मोहित रघुवंशी, कमल अहिरवार, नीरज राज, रवि मालवीय, निखिल रघुवंशी, सचिन अहिरवार, मनु सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुवैत एयरपोर्ट पर ईरान के ड्रोन हमले में उज्जैन के शख्स की मौत

उज्जैन। कुवैत एयरपोर्ट पर बुधवार को ईरान के ड्रोन हमले में उज्जैन के मंजूर अहमद (50) की मौत हो गई। परिवार के सदस्य इस्माइल खान ने बताया, मंजूर करीब 3 दशक से कुवैत में टेलरिंग का काम करते थे। वहां से आते-जाते रहते थे। मंजूर की पत्नी-बच्चे कुछ समय से चिमनगंज में रह रहे हैं। मंगलवार रात ही उन्होंने घरवालों से फोन पर बात की थी। बुधवार सुबह 7.30 बजे मंजूर भारत के लिए फ्लाइट लेने पहुंचे, तभी ईरान ने ड्रोन हमला किया। इसमें उनकी मौत हो गई। मंजूर का शव उज्जैन लाने के लिए परिवार मप्र सरकार से मदद मांग रहा है। इसके लिए भारत लाने के लिए कुवैत में रिश्तेदार और परिचित प्रयास कर रहे है। मंजूर के शव को शाम तक उज्जैन लाया जा सकता है। कुवैत के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बुधवार को ईरान ने ड्रोन हमला किया था। इसमें उज्जैन निवासी मंजूर अहमद उर्फ शेरू भाई की मौत हो गई। परिजन मोहम्मद इस्माइल खान ने बताया कि मंजूर भाई 30 वर्षों से कुवैत आ-जा रहे थे। मंजूर ने मंगलवार रात को ही परिवार के सदस्यों से बात की थी। बुधवार सुबह 7.30 बजे भारत आने के लिए फ्लाइट थी, जिससे वे दिल्ली और फिर वहां से उज्जैन आने वाले थे। सुबह वे कुवैत एयरपोर्ट पहुंचे, तभी ईरान द्वारा एयरपोर्ट पर ड्रोन हमला किया गया। इसी हमले में उनकी मौत हो गई। उनके शव को भारत लाने के लिए कुवैत में रहने वाले रिश्तेदार और परिचित प्रयास कर रहे हैं। परिजनों से जानकारी मिली है कि शुक्रवार शाम तक मंजूर का शव भारत लाया जा सकता है। हालांकि, परिवार का कहना है कि गुरुवार दोपहर वे कलेक्टर से मुलाकात कर राज्य सरकार से शव उज्जैन लाने में मदद की मांग करेंगे।

डिप्टी कलेक्टर अरविंद माहौर गिरफ्तार मुरैना में पुलिस ने देर रात पकड़ा

मुरैना। शहर में दुष्कर्म के आरोपी डिप्टी कलेक्टर अरविंद माहौर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें देर रात गिरफ्तार किया गया। मुरैना पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी डिप्टी कलेक्टर अरविंद माहौर को पकड़ा। उनपर एक युवती ने कार और फ्लैट में दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। युवती ने अरविंद माहौर के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने की पुलिस को शिकायत की थी। इसके आधार पर दर्ज केस में उन्हें गिरफ्तार किया गया है। डिप्टी कलेक्टर अरविंद माहौल विवादित रहे हैं। यहां तक कि सीएम मोहन यादव भी एक बार उनपर कार्रवाई कर चुके हैं।

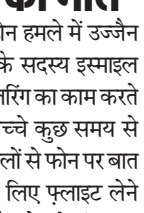

अरविंद माहौर मुरैना जिला मुख्यालय पर डिप्टी कलेक्टर के रूप में पदस्थ थे। पीड़िता युवती ने उनके खिलाफ 3 जून यानि बुधवार को रात में शिकायत दर्ज कराई थी। सिविल लाइन थाना पुलिस ने केस दर्ज कर उन्हें देर रात में गिरफ्तार किया। आरोपी अरविंद माहौर को थाने लाया गया जहां वे चहलकदमी करते दिखाई दिए। सिविल लाइन थाने के टीआई उदय भान यादव ने बताया कि आरोपी डिप्टी कलेक्टर को आज कोर्ट में पेश करेंगे। इससे पहले मेडिकल जांच भी कराई जाएगी। सिविल लाइन पुलिस थाने में डिप्टी कलेक्टर अरविंद माहौर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता युवती के मुताबिक आरोपी ने फेसबुक पर दोस्ती की और शादी का भी प्रस्ताव दिया। पीड़िता के अनुसार झांसा देकर 30 मार्च 2025 से 3 जून 2026 तक शारीरिक शोषण करते रहे। मुरैना में कार में भी संबंध बनाए।

सुरांगी गांव में कुपोषण से मौत मामले में एनएचएम की बड़ी कार्रवाई

स्वास्थ्य विभाग के छह अधिकारियों को नोटिस जारी कर 7 दिन में मांगा जवाब

सतना। दोपहर मेट्रो

जिले के सुरांगी गांव में गंभीर कुपोषण से पीड़ित मासूम बच्ची की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। राज्य स्तरीय जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने जिला और ब्लॉक स्तर के छह अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एनएचएम की अपर मिशन संचालक दिशा प्रणय नागवंशी ने जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) राकेश कर्ष, मझगवां बीएमओ डॉ. रूपेश सोनी, डीसीएम डॉ. ज्ञानेश मिश्रा, बीसीएम देवमुनी पटेल सहित संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों और कर्मचारियों से सात दिन के भीतर जवाब मांगा है। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार सुरांगी गांव निवासी विमला प्रजापति के दो बच्चे सुप्रांशी और नैतिक अप्रैल माह में गंभीर कुपोषण की श्रेणी में चिन्हित किए गए थे। दोनों बच्चों को उपचार के लिए पहले मझगवां अस्पताल और बाद में जिला अस्पताल के पीडियाट्रिक आईसीयू में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान सुप्रांशी की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद मामला प्रदेश स्तर तक पहुंचा और भोपाल से विशेष जांच टीम को मौके पर भेजा गया। जांच के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में कई कमियां और निगरानी व्यवस्था में लापरवाही सामने आई, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

जिला अस्पताल के लेबर रूम में भी मिलीं गंभीर खामियां

सिर्फ कुपोषण मामले में ही नहीं, बल्कि जिला अस्पताल के लेबर रूम के निरीक्षण में भी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। 29 और 30 अप्रैल को राज्य स्तरीय टीम ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था, जहां लेबर रूम में लगे एसी बंद पाए गए। नवजात शिशुओं की देखभाल के लिए बनाए गए न्यूबॉर्न केयर कॉर्नर भी संचालित नहीं मिल सके। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि नर्सिंग स्टाफ रेडियंट वॉर्मर जैसे जरूरी उपकरणों का सही उपयोग नहीं कर पा रहा था। कई उपकरणों और दीवारों पर धूल जमी हुई थी, जिससे साफ-सफाई और संक्रमण नियंत्रण व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए।

प्रभारी नर्सिंग ऑफिसर को भी जारी हुआ नोटिस

जांच रिपोर्ट में सामने आई खामियों को गंभीर मानते हुए जिला अस्पताल के लेबर रूम की प्रभारी नर्सिंग ऑफिसर को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्हें 15 दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा टीम ने एक ऐसे मामले को भी दर्ज किया, जिसमें एक प्रसूता को प्रसव के बाद 48 घंटे तक लेबर रूम में ही रखा गया था, जो निर्धारित स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के विपरीत माना जा रहा है। सुरांगी में कुपोषण से हुई मासूम की मौत और उसके बाद जांच में सामने आई खामियों ने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें नोटिस प्राप्त अधिकारियों और कर्मचारियों के जवाब तथा विभाग द्वारा आगे की जाने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

पुलिस की बड़ी कामयाबी: चार चोरी का पर्दाफाश

30 ग्राम सोना, 150 ग्राम चांदी व अन्य सामान जब्त

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

थाना बासौदा शहर पुलिस ने लड्डा एजेंसी गली, रविदास कॉलोनी एवं अरिहंत विहार क्षेत्र में हुई चार अलग-अलग चोरी की वारदातों का सफल खुलासा करते हुए फरार चल रहे दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लगभग 30 ग्राम सोने के जेवर, 150 ग्राम चांदी के जेवर सहित करीब 5 लाख मूल्य का चोरी गया मशरूका बरामद किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं एसडीओपी शिखा भलावी के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम द्वारा की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना के आधार पर यह सफलता हासिल की। पुलिस बताया कि दिनांक 29 अप्रैल को फरियादी संतोष शर्मा ने थाना बासौदा शहर में रिपोर्ट दर्ज

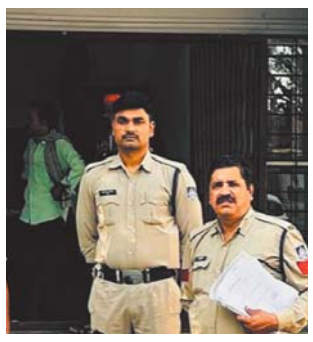

कराई थी कि उनके रिश्तेदार अभिषेक शर्मा निवासी लड्डा एजेंसी वाली गली, विवाह समारोह में शामिल होने के लिए परिवार सहित घर में ताला लगाकर ललितपुर गए थे। लौटने पर घर के मुख्य गेट एवं कमरों के ताले टूटे मिले तथा सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी चोरी होना पाया गया। रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने साइबर सेल की मदद से विस्तृत तकनीकी जांच की तथा लगभग 300 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। जांच के आधार पर पहले आरोपी अन्नू उर्फ अंकित उर्फ अनिकेश को गिरफ्तार कर लगभग 20 लाख मूल्य के जेवरात एवं नकदी बरामद की जा चुकी थी। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी गोलू उर्फ उमेश के साथ मिलकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया था। फरार चल रहे दूसरे आरोपी गोलू उर्फ उमेश अहिरवार को अब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसकी निशानदेही पर लड्डा एजेंसी गली, रविदास कॉलोनी एवं अन्य स्थानों की चोरी का खुलासा हुआ तथा शेष मशरूका भी बरामद कर लिया गया। पुलिस ने लगभग 30 ग्राम सोने के जेवर, 150 ग्राम चांदी के जेवर कुल अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपए के जब्त किए है।

महिला पुलिसकर्मी का घर में जला हुआ शव मिला, गाड़ी में पेट्रोल डलवाने निकली थी

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

शहर में एक महिला पुलिसकर्मी का शव घर में जली हुई अवस्था में मिलने से हड़कंप मच गया। घर से आग की लपटें उठते देख पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो अंदर महिला पुलिसकर्मी का जला हुआ शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल का एफएसएल टीम ने भी निरीक्षण किया है। छिंदवाड़ा में पुलिस लाइन में पदस्थ महिला प्रधान आरक्षक दीपा नेगी का शव जली हालत में देहात थाना क्षेत्र स्थित प्रियदर्शनी कॉलोनी में उनके सूने मकान में मिला है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि दीपा नेगी ने खुद को आग लगाकर आत्महत्या की है। घर से आग की लपटें उठते देख पड़ोसियों ने दीपा नेगी की बेटी व मां को सूचना दी थी जो कि घटना के वक्त दूसरे घर में मौजूद थीं। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दीपा नेगी को पति के निधन के बाद अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। दीपा नेगी लंबे समय से डिप्रेशन से जूझ रही थीं और उनका नागपुर में इलाज भी चल रहा था। बुधवार की सुबह वो गाड़ी में पेट्रोल डलवाने का कहकर घर से निकली थीं और अंदेशा है कि इसके बाद वो अपने सूने मकान पर पहुंची और खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका दीपा नेगी के परिवार में उनकी मां व एक 16 साल की बेटी है जो कि दसवीं क्लास में पढ़ती है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया है, एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल से वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्य जमा किए हैं।

मेट्रो एंकर पंचम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, 'वामन से विराट' पुस्तक का लोकार्पण एवं भजन संध्या का आयोजन

लक्ष्मीकांत की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं विधायक उमाकांत शर्मा: तिवारी

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

पूर्व मंत्री एवं जननायक स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शर्मा की पंचम पुण्यतिथि पर श्रीकृष्ण गौशाला परिसर में एक शाम लक्ष्मीकांत के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धांजलि सभा, पुस्तक लोकार्पण एवं भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं लक्ष्मी कांत जी के शुभचिंतक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इसके पूर्व विधायक उमाकांत शर्मा एवं अतिथियों ने गौ-पूजन कर गौ-ग्रास अर्पित किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा स्व.

लक्ष्मीकांत जी से मेरा बहुत पुराना तल्लुक रहा है सिरोंज से एक जनप्रतिनधि के रूप में चुने जाकर सिरोज को उन्नति के शिखर पर ले जाने में उन्होने कोई कसर नही छोड़ी थी विधाता से हमारी मन एक पीड़ा हमेंषा रहेंगी कि उनकी उज्जवल यात्रा जिनका लाभ और सक्रिय प्रयासों से वर्ष 2004 से पहले सिरोंज को काले पानी की संज्ञा दी जाती थी सिरोंज को जिस स्तर तक वह ले गयें जितना अवसर उन्हें मिला उन्होंने सिरोंज को आगे बढ़ाया था लेकिन उनके प्रयासे से विदिषा को चमन होना था और मध्यप्रदेश को भी उसका लाभ मिलना था हम सब जानते हैं की परिस्थितियों में क्या कुछ हुआ लेकिन प्रसंग को यहां दोहराने की आवश्यकता नहीं है इतनी षिकायत हमेंषा रहेंगी उन्हे एक लंबी राजनीतिक यात्रा करनी थी यह सिरोंज का विकास तो एक ट्रेलर मात्र था एक छोटा सा अंष था इसका लाभ पूरे मध्यप्रदेश को मिलना चाहिए था मध्यप्रदेश में दो ही ऐसे व्यक्ति हुए हैं जिन्हें और लंबी आयू जीना था एक अनिल माधव दवे और दूसरे लक्ष्मीकांत शर्मा उन्होंने जो दिशा दी मैं आज के अवसर पर उन्हें मेरी और से सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ शर्मा की विरासत को लोकप्रिय विधायक उमाकांत जी ने सहेंजा ही नहीं बल्कि पूरा परिसर और सिरोंज लटेरी क्षेत्र इस बात का साक्षी है कि किस तरह से उसे और आगे ले जाने का कार्य उमाकांत कर रहे है।

न्यूज विंडो

बिखरौन में नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

धार। ग्राम बिखरौन में एक नवविवाहिता की जहरीला पदार्थ के सेवन से मौत हो गई। धामनोद पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बिखरौन निवासी मीनाक्षी की शादी लगभग एक महीने पहले मनावर निवासी संजय निगवाल से हुआ था। शादी के बाद मीनाक्षी अपने मायके बिखरौन आई हुई थी। मंगलवार को अज्ञात कारणों से मीनाक्षी ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल धामनोद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने मीनाक्षी की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल धार रेफर कर दिया। हालांकि, जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर वापस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धामनोद पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन ने तुरंत धामनोद पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर धामनोद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू की। बुधवार को पैनल द्वारा पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। शादी के एक माह बाद नवविवाहिता की संदिग्ध मौत से परिवार सदमे में है। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

नरसिंहपुर में साइकिल रैली एवं महिला साइकिल रेस का हुआ आयोजन

नरसिंहपुर। साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं खेलो इंडिया के सहयोग से आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया विमेंस सिटी साइकिलिंग लीग एवं विश्व साइकिल दिवस उत्सव के अंतर्गत जिला साइक्लिंग संघ नरसिंहपुर द्वारा जिले में साइकिलिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला साइक्लिंग संघ के अध्यक्ष सुनील कोठारी ने बताया कि 13 जून 2026 को साइकिल रैली आयोजित की जाएगी। इसमें महिला, पुरुष, बालक एवं बालिकाएं सभी आयु वर्ग के प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे। रैली का उद्देश्य आमजन में स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं साइकिलिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसके पश्चात 14 जून 2026 को महिलाओं के लिए अस्मिता खेलो इंडिया विमेंस सिटी साइकिलिंग लीग (रोडरेस) आयोजित होगी। इसमें महिला साइकिल चालकों के लिए तीन आयु वर्ग निर्धारित किए गए हैं। विमेन एलीट वर्ग - 19 वर्ष एवं अधिक (20 किमी), जूनियर गर्ल्स वर्ग - 17-18 वर्ष (15 किमी), सब-जूनियर/युवा गर्ल्स वर्ग - 13-16 वर्ष (10 किमी)। कोठारी ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली महिला खिलाड़ियों का पंजीयन एवं आवश्यक खेलो इंडिया आईडी होना अनिवार्य रहेगा। जिसके लिए रेस में भाग लेने हेतु इक्छुक प्रतिभागी पंकज नेमा,अर्पित सक्सेना,अंजिता वर्मा,विकास शर्मा,उषा शैलोकर,शाकिर हुसैन,विजय सेन, विभु शुक्ला,विवेक कहार, से सम्पर्क कर साईकिल रैली में सहभागिता कर सकते हैं।विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

50 लाख से अधिक की हाईवे चौकी भवन पर उठे सवाल, आखिर कब खुलेगा गेट

शहडोल। जिले में हाईवे सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से निर्मित हाईवे चौकी भवन अब सवालों के घेरे में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि लाखों रुपये की लागत से तैयार की गई यह चौकी वर्षों बाद भी पूरी तरह से संचालित नहीं हो सकी है। भवन तैयार होने के बावजूद अधिकांश समय इसके गेट बंद रहते हैं, जिससे आम जनता को इसका कोई प्रत्यक्ष लाभ नहीं मिल रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि चौकी का संचालन ही नहीं होना था तो आखिर सरकारी धन खर्च करने का औचित्य क्या था। लोगों के बीच यह चर्चा है कि 50 लाख रुपये से अधिक की लागत से निर्मित भवन कहीं उपयोग के अभाव में खंडहर बनने की ओर तो नहीं बढ़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और पुलिस विभाग से मांग की है कि हाईवे चौकी की वर्तमान स्थिति स्पष्ट की जाए। यदि भवन तैयार है तो उसमें नियमित पुलिस बल की तैनाती कर चौकी को पूर्ण रूप से संचालित किया जाए, ताकि हाईवे पर होने वाली दुर्घटनाओं, अपराधों और आपात स्थितियों में तत्काल सहायता उपलब्ध हो सके।

6 माह में ही उखड़ने लगी पर्यटन नगरी मानपुर की RCC सड़क, गुणवत्ता पर उठे सवाल

मानपुर (उमरिया)। उमरिया जिले के पर्यटन क्षेत्र मानपुर नगर परिषद में करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित आरसीसी सड़कें निर्माण के कुछ ही महीनों बाद जवाब देती नजर आ रही हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई स्थानों पर लगभग 6 माह पहले बनी सड़कें टूटने, दरकने और गिट्टी छोड़ने लगी हैं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं। मानपुर, जो कि प्रसिद्ध Bandhavgarh National Park के प्रवेश क्षेत्र के रूप में जाना जाता है, वहां की सड़कों की यह स्थिति स्थानीय प्रशासन और निर्माण एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सड़क निर्माण मानकों के अनुरूप हुआ होता तो इतनी कम अवधि में सड़क की सतह खराब नहीं होती। नागरिकों ने सड़क निर्माण में उपयोग की गई सामग्री, तकनीकी स्वीकृति, गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट तथा भुगतान प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है। गौरतलब है कि उमरिया जिले में पूर्व में भी विभिन्न निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठते रहे हैं और जांच की मांग होती रही है।

झाबुआ जिला अस्पताल का मामला

धार की बहू ने बिना ऑपरेशन के दिया तीन बेटियों को जन्म

धार। दोपहर मेट्रो

जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की उत्कृष्ट सूझबूझ और कुशलता के चलते एक महिला ने बिना किसी जटिल ऑपरेशनके सामान्य प्रसव के जरिए एक साथ तीन स्वस्थ बेटियों को जन्म दिया। वर्तमान में मां और तीनों नवजात बच्चियां पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ हैं।

ऐसे मामलों में ऑपरेशन का ही विकल्प प्राप्त जानकारी के अनुसार धार जिले के ग्राम कुशलपुरा की निवासी श्रीमती रीना पति सुकराम जिनका मायका झाबुआ का गोपालपुरा है को प्रसव पीड़ा होने पर झाबुआ के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गर्भ में तीन बच्चे होने के कारण यह मामला बेहद संवेदनशील और जोखिम भरा था। आमतौर पर ऐसे मामलों में डॉक्टर सिजेरियन ऑपरेशन का ही विकल्प चुनते हैं, लेकिन यहाँ की मेडिकल टीम ने अपनी काबिलियत और धैर्य का परिचय देते हुए पूरी तरह सामान्य और सफल प्रसव कराया।

चिकित्सकों के अनुसार, जन्म लेने वाली तीनों बेटियों का वजन अलग-अलग है पहली बेटी 1.2 किलोग्राम, दूसरी बेटी 1.3 किलोग्राम, तीसरी बेटी 1.8 किलोग्राम कम वजन होने के कारण पहली और दूसरी बच्ची को एहतियात के तौर पर एनआईसीयू शिशु गहन चिकित्सा इकाई में विशेष डॉक्टरों की देखरेख में रखा गया है। वहीं, 1.8 किलो वजन वाली तीसरी बेटी पूरी तरह सामान्य होकर वार्ड में अपनी मां के पास है। डॉक्टरों ने बताया कि चारों की सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। इस बेहद चुनौतीपूर्ण प्रसव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में झाबुआ जिला अस्पताल की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रतिष्ठा चौहान, नर्सिंग ऑफिसर मंजू निनामा और हिमानी खतरकर सहित लेबर रूम के पूरे स्टाफ की मुख्य भूमिका रही।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिन्हा रुस्तम जी पुरस्कार के लिए चयनित

सागर। दोपहर मेट्रो

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर लोकेश कुमार सिन्हा का चयन वर्ष 2024 के लिए मध्यप्रदेश पुलिस के प्रतिष्ठित रुस्तम जी पुरस्कार हेतु किया गया है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश में उनके नाम की घोषणा की गई है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के अंतर्गत सिन्हा को 50,000 की नगद पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाएगा। मध्यप्रदेश पुलिस का रुस्तम जी पुरस्कार उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय पुलिस सेवा, प्रभावी नेतृत्व, नवाचार, कर्तव्यनिष्ठा तथा पुलिसिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। लोकेश कुमार सिन्हा अपने उत्कृष्ट प्रशासनिक कौशल, अनुशासित कार्यशैली, अपराध नियंत्रण में प्रभावी भूमिका, कानून-व्यवस्था संधारण तथा जनोन्मुखी पुलिसिंग के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने सेवाकाल में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं तथा पुलिस विभाग की कार्यक्षमता को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्तमान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर के रूप में पदस्थ सिन्हा के मार्गदर्शन में जिले में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था प्रबंधन, संवेदनशील प्रकरणों के प्रभावी निराकरण एवं पुलिस व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं।

जमीनों पर कब्जे के आरोप, जिम्मेदार विभागों की भूमिका पर उठे सवाल

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

तीर्थनगरी अमरकंटक में एक बार फिर भूमि विवाद और कथित कब्जे के मामलों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अमरकंटक क्षेत्र में कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा निजी जमीनों पर कब्जा करने की कोशिशें की जा रही हैं। आरोप यह भी है कि कुछ दिन पहले जिस भवन में पहले बैंक संचालित होता था, उस संपत्ति पर कब्जा करने के लिए भवन स्वामी पर दबाव बनाया जा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि किसी संपत्ति का स्वामित्व स्पष्ट है तो उस पर दबाव बनाकर कब्जा करने की कोशिश कानून व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़े करती है। मामले को लेकर लोगों ने नगर परिषद, राजस्व विभाग, जिला प्रशासन, अमरकंटक विकास प्राधिकरण तथा पर्यटन विकास से जुड़े विभागों की भूमिका पर भी प्रश्न उठाए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अमरकंटक जैसे धार्मिक और पर्यटन महत्व के क्षेत्र में भूमि संबंधी विवादों की निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि संबंधित संपत्ति की वास्तविक स्थिति क्या है और यदि किसी प्रकार का दबाव या अवैध कब्जे का प्रयास हो रहा है तो उसके विरुद्ध क्या कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि अमरकंटक क्षेत्र में अतिक्रमण और भूमि संरक्षण को लेकर समय-समय पर प्रशासनिक कार्रवाई तथा निर्देश भी जारी किए जाते रहे हैं।

इनामी बदमाश और उसका साथी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

तिरला पुलिस ने भलगावंडी फोरलेन पर घेराबंदी कर झपटमारी करने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया एक आरोपी 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश है, जो लंबे समय से फरार चल रहा था। आरोपियों ने धार जिले के कई अन्य थानों में भी लूट और चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है।

खेत से घर लौट रहे किसान से हुई थी लूट - पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 7 मई की शाम चिकलिया निवासी फरियादी विष्णु पिता पुनाजी अपने खेत से मोटरसाइकिल एमपी 11 एमए 6570 पर अकेले घर लौट रहे थे। जैसे ही वे किशनपुरा बस्ती के पास कच्चे रास्ते पर पहुँचे, पीछे से एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक कर रोक लिया। बदमाशों ने विष्णु के साथ झूमा-झटकी की और उनकी शर्ट की जेब से सैमसंग का एंड्रॉइड फोन और नोकिया का कीपैड मोबाइल छीन लिया। इसके बाद एक बदमाश उनकी मोटरसाइकिल भी झपटकर स्टार्ट कर ले भागा। शोर मचाने पर फरियादी के बेटे दिलीप ने बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन वे एकलव्य स्कूल की तरफ भागने में सफल रहे। इसके बाद पीड़ित ने ग्रामीणों को सूचना दी और तिरला थाने में मामला दर्ज कराया। तिरला पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। मुखबिर की सूचना पर फोरलेन पर घेराबंदी - पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के आदेश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय कुमार डावर एवं सीएसपीसुजावल जगगा के मार्गदर्शन में फरार आरोपियों की तलाश के लिए टीम गठित की गई थी

। 3 जून को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि दो संदिग्ध व्यक्ति होंडा शाइन मोटरसाइकिल से भलगावंडी फोरलेन की तरफ जा रहे हैं । पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी की और दोनों आरोपियों को धर दबोचा। पकड़े गए गिरफ्त में आए आरोपियों में मुकेश पिता धुंधरा अलावा और बबलू पिता वीरसिंह अलावा निवासी कालीदेवी दोनों निवासी कालीदेवी थाना टाण्डा है। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने तिरला के अलावा जीराबाद, राजगढ़, राजोद और बदनावर क्षेत्र में भी झपटमारी और लूट की कई वारदातें करना कबूल किया है । पुलिस रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि मुख्य आरोपी मुकेश बेहद शातिर अपराधी है। वह थाना राजगढ़ के विभिन्न मामलों जैसे विद्युत अधिनियम, आर्म्स एक्ट और बीएनएस की धाराओं में लंबे समय से फरार चल रहा था और उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, इनका एक अन्य साथी मेहरु पिता खेलु निवासी कालीदेवी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

लावारिस पड़े बेरिकेड्स राहगीरों के लिए बने खतरा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर एवं आसपास के क्षेत्र में विभिन्न मार्गों पर कई महीनों से बेरिकेड्स लावारिस हालत में पड़े हुए हैं। खकरिया रोड, हाईस्कूल मार्ग तथा 27 मील दमोह मार्ग सहित अनेक सड़कों पर पड़े ये बेरिकेड्स राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा इन्हें हटाने की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार सड़क किनारे और कई स्थानों पर मार्ग के बीच में पड़े बेरिकेड्स दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण दे रहे हैं। विशेषकर रात के समय वाहन चालकों को इन अवरोधों के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई बार छोटे-बड़े वाहन चालक असंतुलित होकर दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बचे हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह बेरिकेड्स पुलिस विभाग एवं लोक निर्माण विभाग से संबंधित हैं,

लेकिन दोनों विभागों में से कोई भी इन्हें हटाने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं दिख रहा है। परिणामस्वरूप समस्या लगातार बनी हुई है और आमजन परेशान हो रहे हैं। नागरिकों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि तेंदूखेड़ा नगर एवं क्षेत्र का कोई धनी-धोरी नहीं है। जनहित से जुड़े ऐसे गंभीर मामलों पर न तो संबंधित विभाग ध्यान दे रहे हैं और न ही जिम्मेदार अधिकारी समस्या के समाधान के लिए आगे आ रहे हैं। इससे लोगों में प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति असंतोष बढ़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मार्गों पर लावारिस पड़े बेरिकेड्स को तत्काल हटाया जाए तथा संबंधित विभागों की जवाबदेही तय की जाए। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी। इस संबंध में जब लोक निर्माण विभाग की एसडीओ मनीषा मोगनिया को फोन लगाया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

जंगल में सिर कुचली लाश मामले का खुलासा

नातरे के विवाद में पत्थर से कुचलकर की थी निर्मम हत्या, आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

पर्यटन नगरी मांडू क्षेत्र के उण्डाखो के जंगलों में मिली अज्ञात लाश के अंधे हत्याकांड का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है, पूरा मामला नातरा प्रथा करवने के नाम पर एक युवक को बुलाकर सिर कुचलकर बेरहमी से हत्या करने का निकला है, पुलिस ने मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 5 अप्रैल को उण्डाखो के घने जंगलों में ग्रामीणों को एक अज्ञात व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव मिला था। हत्यारे ने पहचान छुपाने के इरादे से मृतक का चेहरा और सिर पत्थरों से बुरी तरह कुचल दिया था। माण्डव पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम किया और अज्ञात आरोपी के खिलाफजघन्य हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। केस अंधा था और पुलिस के पास न तो मृतक की पहचान थी और न ही कातिल का कोई सुराग। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी धार सचिन शर्मा, एएसपी विजय डावर और एसडीओपी धामनोद मोनिका सिंह के मार्गदर्शन में माण्डव थाना प्रभारी इंदलसिंह रावत की टीम और साइबर सेल धार ने जाल बिछाया। घटनास्थल से मिले तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सबसे पहले मृतक की पहचान भेरूलाल पिता मूलचंद मुनिया निवासी मुल्थान थाना बदनावर के रूप में हुई। पुलिस की कड़ाई से की गई विवेचना में सच सामने आया, जांच में पता चला कि आरोपी करण पिता तेरसिंह बघेल निवासी पिपलीमाल,

हाल मुकाम बामनपुरी ने योजनाबद्ध तरीके से इस वारदात को अंजाम दिया था। 4 अप्रैल को आरोपी करण ने भेरूलाल को नातरा प्रथा करवाने का लालच देकर बदनावर से बस द्वारा धार बुलाया। करण खुद मोटरसाइकिल लेकर धार पहुंचा और भेरूलाल को बैठाकर माण्डव होते हुए बामनपुरी अपने घर ले गया। बामनपुरी में दोनों के बीच नातरे की बात को लेकर विवाद हो गया। गुस्साए करण ने भेरूलाल को ठिकाने लगाने उसे उण्डाखो के सुनसान जंगलों में ले गया और पत्थरों से पीट-पीटकर उसकी निर्मम हत्या कर दी। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी करण बघेल को गिरफ्तार कर लिया। अदालत में पेश करने के बाद आरोपी को जिला जेल धार भेज दिया गया है।

मेट्रो एंकर

भागवत कथा का चौथा दिन: नंदोत्सव के रंग में रंगा समूचा पंडाल, बधाइयों पर जमकर झूमीं मातृशक्तियां

कृष्ण जन्म का प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

स्थानीय तुलसी मानस भवन में समस्त मातृशक्ति संगठन के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन आज पंडाल में श्रद्धा, भक्ति और आनंद का ऐसा ज्वार उमड़ा कि समूचा परिसर गोकुल धाम बन गया। कथा के सबसे प्रमुख और प्रतीक्षित प्रसंग श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर नगरवासियों और मातृशक्तियों में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। भीषण गर्मी के बाद भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु हरियाले वस्त्र धारण कर कथा स्थल पहुँचे, जिससे पंडाल छोटा पड़ गया। चतुर्थ दिवस की कथा की शुरुआत करते हुए सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज ने सर्वप्रथम भक्त प्रहलाद के चरित्र, भगवान के नृसिंह अवतार

और अहंकार को चूर करने वाले गजेन्द्र मोक्ष के दिव्य प्रसंग का वाचन किया। महाराज जी ने बताया कि जब-जब भक्तों पर विपत्ति आती है, तब-तब भगवान सारे नियम बदलकर अपने भक्त की रक्षा के लिए दौड़े चले आते हैं। ईश्वर केवल सच्चे प्रेम और अटूट विश्वास के भूखे हैं। कथा के उत्तरार्ध में जब महाराज जी ने कंस के अत्याचारों, वासुदेव-देवकी के कारागार प्रसंग और भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की घनघोर रात में भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य का सजीव वर्णन किया, तो पूरा पंडाल जय कन्हैया लाल की और नंद घर आनंद भयो के गूंजते जयकारों से सराबोर हो उठा। ठीक इसी समय मंच पर बाल कृष्ण रूपी कन्हाई के प्राकट्य की अत्यंत मनमोहक सजीव झांकी प्रस्तुत की गई। टोकरी में विराजमान ठाकुर जी के स्वरूप पर समूचे पंडाल से पुष्पों और गुलाल की भारी वर्षा की गई। श्रीकृष्ण जन्म के उपरांत जैसे ही संगीत टोली द्वारा पारंपरिक सोहर, मंगल गीत और बधाई गीत यशोदा जी के जायो लाला, री नगरिया में आनंद भयो की प्रस्तुति दी गई, पंडाल में उपस्थित समस्त मातृशक्तियां और श्रद्धालु अपनी सुध-बुध खोकर झूमने और थिरकने लगे। हर तरफ टॉफियां, खिलौने और माखन-मिश्री का प्रसाद लुटाया गया। मातृशक्तियों ने ठाकुर जी के पालने की डोरी थामकर आरती उतारी और सुख-समृद्धि की मन्नतें मांगीं।

टी-20 क्रिकेट: श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा प्रमुख दावेदार

खराब फॉर्म की वजह से छिन सकती है सूर्या की कप्तानी, चयनकर्ता कर रहे गंभीर मंथन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। समाचार एजेंसी ने बीसीसीआई के एक सूत्र के हवाले से बताया कि, हालिया समय में खराब प्रदर्शन और निरंतरता की कमी के कारण चयनकर्ता टी20 टीम की कप्तानी में बदलाव पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। यह खबर भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम चयन से ठीक पहले सामने आई है। बीसीसीआई अब 2028 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए भविष्य की टीम तैयार करने की दिशा में काम कर रहा है और इसी रणनीति के तहत नए कप्तान की तलाश शुरू हो गई है।

टी20 कप्तानी की दौड़ में श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा के नाम सबसे आगे बताए जा रहे हैं। दोनों खिलाड़ियों ने हाल के महीनों में शानदार प्रदर्शन किया है और टीम प्रबंधन का भरोसा भी हासिल किया है। श्रेयस अय्यर को उनके नेतृत्व अनुभव और दबाव में खेलने की क्षमता के कारण मजबूत उम्मीदवार माना जा रहा है। वहीं, युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को भविष्य के कप्तान के रूप में देखा जा रहा है, जिन्होंने सीमित अवसरों में अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया है।

सूर्यकुमार यादव को टी20 क्रिकेट के सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में गिना जाता है। उन्होंने भारत के लिए अब तक 113 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 3272 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 36.35 और स्ट्राइक रेट 162.94 का रहा है। हालांकि पिछले डेढ़ साल में उनके प्रदर्शन में गिरावट देखने को मिली है। जनवरी 2025 से मार्च 2026 के बीच सूर्यकुमार ने 35 टी20 मुकाबलों में सिर्फ 702 रन बनाए, जबकि उनका औसत महज 26 रहा। वहीं पूरे 2024 में उन्होंने 18 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 429 रन बनाए थे और उनका औसत 26.81 का रहा। अक्तूबर 2024 में

कप्तान के तौर पर रहा सफल कार्यकाल

बल्लेबाजी में संघर्ष के बावजूद कप्तान के रूप में सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उनकी कप्तानी में भारत ने 2025 एशिया कप और 2026 टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। इसके अलावा वह 2023 एशिया कप और 2024 टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे। 2026 टी20 विश्व कप में सूर्यकुमार ने अमेरिका के खिलाफ नाबाद 84 रन की शानदार पारी खेली थी, लेकिन इसके बाद वह उसी लय को बरकरार नहीं रख सके।

आईपीएल 2026 में भी नहीं चला सूर्यकुमार का बल्ला

आईपीएल 2026 में भी सूर्यकुमार यादव उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए। मुंबई इंडियंस ने उन्हें रिटेन करने के लिए 16.35 करोड़ रुपये खर्च किए थे। टी20 विश्व कप जीतकर आईपीएल में उतरे सूर्यकुमार से बड़ी पारियों की उम्मीद थी, लेकिन वह पूरे सीजन संघर्ष करते नजर आए। उन्होंने 13 पारियों में 147 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 270 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से केवल दो अर्धशतक निकले। सूर्यकुमार की खराब फॉर्म को मुंबई इंडियंस के निराशाजनक प्रदर्शन की प्रमुख वजहों में से एक माना जा रहा है।

जल्द हो सकता है बड़ा फैसला

बीसीसीआई की ओर से अभी तक कप्तानी को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन सूत्रों का दावा है कि चयनकर्ता अगले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए नेतृत्व परिवर्तन पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। ऐसे में आगामी दिनों में भारतीय टी20 टीम की कप्तानी को लेकर बड़ा फैसला सामने आ सकता है।

भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट रिश्तों का नया अध्याय

5 टी20,5 वनडे और दो टेस्ट की मेजबानी करेगा न्यूजीलैंड

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने अपने घरेलू अंतरराष्ट्रीय सत्र 2026-27 का कार्यक्रम जारी कर दिया है, जिसमें भारतीय क्रिकेट टीम का ऐतिहासिक दौरा सबसे बड़ा आकर्षण बनकर सामने आया है। अक्टूबर से दिसंबर 2026 के बीच भारत की पुरुष क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड में कुल 12 मुकाबले खेलेगी। इसमें पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच शामिल हैं। यह दौरा न्यूजीलैंड क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित द्विपक्षीय दौरों में गिना जा रहा है। भारतीय टीम का न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर 2026 से शुरू होकर 1 दिसंबर तक चलेगा। लगभग डेढ़ महीने तक चलने वाले इस दौरे में दोनों देशों की टीमें पांच प्रमुख शहरों में आमने-सामने होंगी। न्यूजीलैंड सरकार ने भी इस श्रृंखला को विशेष समर्थन देने की घोषणा की है। इसे भारत और न्यूजीलैंड के करीब एक सदी पुराने खेल संबंधों के सम्मान और दोनों देशों की बढ़ती मित्रता का प्रतीक माना जा रहा है।

एनजेडसी के मुख्य मार्केटिंग एवं कमर्शियल अधिकारी ग्लेन क्रिचली ने कहा कि भारत का दौरा न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए एक दुर्लभ और विशेष अवसर है। उनके अनुसार क्रिकेट जगत में भारत की मौजूदगी सबसे बड़ा आकर्षण है और यह श्रृंखला केवल खेल तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि दोनों देशों की संस्कृति, इतिहास और आपसी संबंधों का उत्सव भी बनेगी। दौरे का आगाज पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से होगा। पहला और दूसरा मुकाबला क्रमशः 22 और 24 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में खेला जाएगा। तीसरा टी20 मैच 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में आयोजित होगा। इसके बाद चौथा मुकाबला 30 अक्टूबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में और अंतिम टी20 मैच 1 नवंबर को हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेला जाएगा।

वनडे सीरीज में पांच मुकाबलों का रोमांच

टी20 श्रृंखला के बाद दोनों टीमें पांच वनडे मैचों की सीरीज में आमने-सामने होंगी। पहला वनडे 4 नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मुकाबला 7 नवंबर को वेलिंगटन और तीसरा 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। चौथा और पांचवां वनडे क्रमशः 13 और 15 नवंबर को टौरंगा स्थित बे ओवल मैदान में खेले जाएंगे। सीमित ओवरों की क्रिकेट के बाद दोनों देशों के बीच दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेली जाएगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन के ऐतिहासिक बेसिन रिजर्व मैदान पर होगा। दूसरा और अंतिम टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में आयोजित किया जाएगा। इसी मुकाबले के साथ यह बहुप्रतीक्षित दौरा समाप्त होगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने यह भी घोषणा की है कि स्काई न्यूजीलैंड अगले छह वर्षों तक उसके घरेलू मुकाबलों का आधिकारिक प्रसारण साझेदार रहेगा। स्काई स्पोर्ट्स के कंटेंट प्रमुख गैरी बर्चेट ने कहा कि भारत का दौरा वैश्विक क्रिकेट का सबसे बड़ा आकर्षण है और इसे दर्शकों तक शानदार अनुभव के साथ पहुंचाया जाएगा। श्रृंखला के टिकटों की भारी मांग की संभावना जताई गई है। प्रशंसकों को अगस्त से शुरू होने वाली विशेष सदस्य प्री-सेल के लिए पहले से पंजीकरण कराने की सलाह दी गई है।

सैफ विमेंस चैंपियनशिप: सांफिदा के एकमात्र गोल से भूटान को हराकर फाइनल में भारत

मडगांव, एजेंसी

मेजबान भारत ने सेमीफाइनल में भूटान के खिलाफ 1-0 से जीत दर्ज करते हुए सैफ विमेंस चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में जगह पक्की कर ली। 6 जून को फाइनल में भारत का सामना डिफेंडिंग चैंपियन बांग्लादेश से होगा। हेड कोच क्रिसपिन छेत्री ने उस टीम में दो बदलाव किए, जिसने पिछले ग्रुप चरण में बांग्लादेश को 3-0 से हराया था। प्यारी जाक्सा और संगीता बासफोर की जगह करिश्मा शिरवोइकर और प्रियंका देवी नोरम को शुरुआती लाइनअप में जगह मिली। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में सांफिदा नोंगरुम ने एकमात्र गोल 58वें मिनट में दागा। भारत को शुरुआती पलों में अपनी लय पाने में संघर्ष करना पड़ा। इस बीच भूटान ने रक्षात्मक रवैया

अपनाया, अपनी हाफ में काफी पीछे रहकर खेला और भारत को दबाव बनाने का मौका दिया। गोल का पहला मौका तीसरे ही मिनट में आया, जब पीछे से आई गेंद ने भूटान के डिफेंस में अफरा-तफरी मचा दी। गोलकीपर संगीता मोंगर गेंद को ठीक से अपनी गिरफ्त में नहीं ले सकीं। मौके का फायदा उठाने के लिए करिश्मा तेजी से आगे बढ़ीं। हालांकि, उनके पहले टच में थोड़ी तेजी थी, जिससे नामग्याल डेमा को खतरा टालने का मौका मिला। भारत ने गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा, लेकिन आखिरी छोर पर उनकी सटीकता में कमी दिखी। 11वें मिनट में, करिश्मा को बाईं ओर काफी खाली जगह मिली, जहां से उन्होंने सौम्या गुगुलोथ को गेंद पास की।

वैभव सूर्यवंशी : 15 साल की उम्र में क्रिकेट का नया पोस्टर बॉय, ब्रांड वैल्यू में जबरदस्त उछाल

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में है–महज 15 साल के वैभव सूर्यवंशी। अपने विस्फोटक प्रदर्शन और असाधारण प्रतिभा के दम पर वह न सिर्फ क्रिकेट मैदान में छाए हुए हैं, बल्कि ब्रांड इंडस्ट्री में भी उनकी मांग तेजी से बढ़ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वैभव की एंडोर्समेंट फीस में भारी उछाल आया है और अब वे एक विज्ञापन डील के लिए लगभग 1.5 से 2 करोड़ रुपये तक चार्ज कर रहे हैं। आईपीएल 2026 सीजन में वैभव सूर्यवंशी ने अपने प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। उन्होंने पूरे सीजन में 776 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 237.30 रहा, जो किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए असाधारण माना जा रहा है। इस प्रदर्शन ने उन्हें न केवल क्रिकेट विशेषज्ञों का ध्यान दिलाया, बल्कि उन्हें

मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर जैसे प्रतिष्ठित सम्मान भी दिलाए।

राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव फिलहाल 1.10 करोड़ रुपये के सालाना कॉन्ट्रैक्ट पर हैं। हालांकि आईपीएल नियमों के अनुसार उनकी सैलरी में तुरंत कोई बदलाव संभव नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले रिटेंशन साइकल में उनकी कीमत में बड़ा इजाफा हो सकता है। आईपीएल 2026 शुरू होने से पहले ही वैभव ने कई बड़े ब्रांड्स के साथ लगभग 1 करोड़ रुपये प्रति डील के हिसाब से करार किए थे। इनमें कॉम्प्लान और रेड बुल जैसे बड़े नाम शामिल बताए जा रहे हैं। अब उनके धमाकेदार प्रदर्शन के बाद कई अन्य कंपनियां भी उन्हें अपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में जोड़ने के लिए आगे आ रही हैं।

परिवार के हाथों में ब्रांड मैनेजमेंट

फिलहाल वैभव सूर्यवंशी की सभी एंडोर्समेंट डील्स का प्रबंधन उनके माता-पिता के हाथों में है। साथ ही उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स भी इस प्रक्रिया में परिवार की सहायता कर रही है। माना जा रहा है कि जैसे-जैसे उनकी लोकप्रियता बढ़ेगी, उनके मैनेजमेंट स्ट्रक्चर में भी प्रोफेशनल एजेंसियों की एंट्री हो सकती है। वैभव के प्रदर्शन को देखते हुए कई पूर्व क्रिकेटर और विशेषज्ञ उनकी तुलना सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और सुनील गावस्कर जैसे दिग्गजों से करने लगे हैं। हालांकि, क्रिकेट विश्लेषकों का कहना है कि इतनी शुरुआती सफलता के बावजूद उनके करियर का असली इम्तिहान अभी बाकी है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

लंबे इंतज़ार के बाद फिर बड़े पर्दे पर जलवा बिखेरने को तैयार प्रीति जिंटा, सोशल मीडिया पर दिया इशारा

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा एक बार फिर फिल्मी दुनिया में सक्रिय होने जा रही हैं। लंबे समय से पर्दे से दूर रहीं प्रीति ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्व) पर एक पोस्ट साझा कर अपने नए प्रोजेक्ट का संकेत दिया। उन्होंने अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि वह नए काम की शुरुआत से पहले कुछ समय आराम कर रही हैं और जल्द ही इस प्रोजेक्ट की पूरी जानकारी अपने फैंस के साथ साझा करेंगी। इस पोस्ट के बाद उनके प्रशंसकों में उत्साह और उत्सुकता दोनों बढ़ गई हैं।

प्रीति जिंटा की वापसी जिस फिल्म से मानी जा रही है, उसका नाम 'वाइब' बताया जा रहा है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म होगी जिसमें उनके साथ अभिनेता कुणाल खेमू नजर आएंगे। फिल्म की कहानी दो ऐसे दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है जिनकी जिंदगी बिल्कुल अलग सोच और स्वभाव की है–एक बेहद अनुशासित और नियमों का पालन करने वाला, जबकि दूसरा पूरी तरह लापरवाह और बेपरवाह। कहानी में तब बड़ा मोड़ आता है जब दोनों दोस्त अनजाने में एक आतंकवादी साजिश में फंस जाते हैं। इसके बाद उनकी सामान्य सी जिंदगी अचानक देश की सुरक्षा से जुड़ी एक बड़ी जिम्मेदारी में बदल जाती है। यही घटनाक्रम फिल्म को रोमांच और कॉमेडी का अनोखा मिश्रण बनाता है।

निर्देशन और निर्माण की जिम्मेदारी कुणाल के हाथों में

'वाइब' सिर्फ अभिनय के लिहाज से ही नहीं बल्कि निर्माण के स्तर पर भी खास है। इस फिल्म का लेखन और निर्देशन कुणाल खेमू ने किया है। इसे 'द्रोंगो फिल्म्स' के बैनर तले कुणाल खेमू और चिराग निहलानी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म में स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'लाहौर 1947' में भी दिखेगा प्रीति का अलग अंदाज़

इसके अलावा प्रीति जिंटा सनी देओल के साथ फिल्म 'लाहौर 1947' में भी नजर आएंगी। इस प्रोजेक्ट का निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं और इसे आमिर खान के बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म की कहानी भारत-पाकिस्तान विभाजन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित होगी, जिसमें शबाना आजमी, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। लगातार दो बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ प्रीति जिंटा की वापसी ने उनके प्रशंसकों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। अब सभी को उनकी आधिकारिक घोषणा और फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है।

रणवीर सिंह विवाद पर बोलीं कंगना रनौत जब हैसियत बढ़ती है तो दुश्मन भी बढ़ते हैं

फिल्म इंडस्ट्री में इन दिनों रणवीर सिंह और फिल्म फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न सिने एप्लॉय्ज (एफडब्ल्यूआईसीई) के बीच चल रहा विवाद चर्चा का विषय बना हुआ है। अभिनेता के खिलाफ जारी किए गए नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव को लेकर कई कलाकार अपनी-अपनी राय रख रहे हैं। इसी बीच अब अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है। कंगना रनौत ने अपनी आने वाली फिल्म भारत भाग्य विधाता के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान रणवीर सिंह के समर्थन में बात करते हुए कहा कि जब हैसियत बढ़ती है तो दुश्मन भी बढ़ते हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान जब कंगना रनौत से रणवीर सिंह और उनके खिलाफ जारी किए गए फेडरेशन के फैसले को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, मुझसे इस विषय पर सवाल पूछना दिलचस्प है। मुझे भी सभी ने बैन किया था। जब आपकी हैसियत बढ़ती है, तो दुश्मन भी बढ़ते हैं। ऐसा नामुमकिन है कि आपकी हैसियत बढ़े और दुश्मन न बढ़े। ऐसे में रणवीर सिंह को समझना चाहिए कि उनकी क्या हैसियत है, जो उनके इतने दुश्मन हैं।कंगना ने आगे कहा, जीवन में हमेशा एक जैसे हालात नहीं रहते। सफलता के साथ संघर्ष भी आते हैं। मेरे साथ भी फिल्म इंडस्ट्री में कई तरह की घटनाएं

हुईं, लेकिन मैंने काम करना नहीं छोड़ा। मैं अच्छा कर रही हूं, मेरे करियर की गाड़ी अच्छी चल रही है। ऐसे फैसलों से कुछ फर्क नहीं पड़ता। दरअसल, पूरा मामला फिल्म डॉन 3 से जुड़ा हुआ है। इस फिल्म की घोषणा साल 2023 में फिल्म निर्माता फरहान अख्तर ने की थी। फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका निभाने वाले थे और इसे लोकप्रिय डॉन फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी माना जा रहा था। हालांकि बाद में खबरें सामने आईं कि रणवीर सिंह ने फिल्म से खुद को अलग कर लिया है।

मेट्रो बाजार

भारत के ब्रॉडबैंड इंफास्ट्रक्चर का महत्वपूर्ण पूरक बन सकता है पब्लिक वाई-फाई : उद्योग संगठन का दावा

नई दिल्ली । नीति थिंक-टैंक ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम (बीआईएफ) ने बुधवार को भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (टीआरएआई) के उस दृष्टिकोण का स्वागत किया, जिसमें पब्लिक वाई-फाई को सस्ती और सर्वसुलभ ब्रॉडबैंड सेवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण पूरक इंफ्रास्ट्रक्चर के रूप में औपचारिक मान्यता दी गई है।

सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क के विस्तार पर ट्राई के परामर्श पत्र (कंसल्टेशन पेपर) के जवाब में बीआईएफ ने कहा कि भारत की भविष्य की डिजिटल महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए केवल मोबाइल नेटवर्क पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं हो सकता। फोरम के अनुसार, पब्लिक वाई-फाई इंटरनेट सेवाओं को अधिक किफायती बना सकता है, इनडोर कनेक्टिविटी को बेहतर कर सकता है, स्पेक्ट्रम की दक्षता बढ़ा सकता है और मोबाइल नेटवर्क पर बढ़ते ट्रैफिक का बोझ कम कर सकता है। बीआईएफ ने ट्राई से आग्रह किया कि वह एक व्यापक राष्ट्रीय रणनीति की सिफारिश करे, जिसमें बुनियादी ढांचे का विस्तार, बड़े स्तर पर इकोसिस्टम का विकास, तकनीकी आधुनिकीकरण, उपयोगकर्ताओं में जागरूकता और अपनाने को बढ़ावा देना शामिल हो। फोरम ने सुझाव दिया कि पीएम-वानी को भारतनेट, राज्य स्तरीय फाइबर नेटवर्क, स्मार्ट सिटी परियोजनाओं और अन्य सार्वजनिक डिजिटल परिसंपत्तियों के साथ जोड़ा जाए, ताकि देशभर में वाई-फाई हॉटस्पॉट की स्थापना तेज हो सके।

भारत की ब्लू इकोनॉमी विकास के एक मजबूत इंजन के रूप में उभर रही है

नई दिल्ली,। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत की ब्लू इकोनॉमी (समुद्री अर्थव्यवस्था) तेजी से विकास का एक शक्तिशाली इंजन बनकर उभर रही है। इसकी प्रमुख वजह समुद्री खाद्य उत्पादों (सीफूड) के निर्यात में लगातार बढ़ोतरी और वैश्विक बाजार में भारतीय समुद्री उत्पादों की बढ़ती मांग है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश के मछुआरों को अब बड़े बाजारों तक पहुंच और बढ़ते निर्यात अवसरों का लाभ मिल रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत के समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। पीयूष गोयल ने बताया कि वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में समुद्री खाद्य निर्यात में लगभग 145 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

उन्होंने कहा, ÷हमारे मछुआरों को नए बाजारों और बढ़ते निर्यात का लाभ मिल रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में समुद्री खाद्य निर्यात ने नया रिकॉर्ड बनाया है। वित्त वर्ष 2013-14 से निर्यात में लगभग 145 प्रतिशत की वृद्धि के साथ भारत की ब्लू इकोनॉमी विकास के एक शक्तिशाली इंजन के रूप में उभर रही है।÷

इस बीच, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के समुद्री खाद्य उत्पादों का निर्यात मात्रा और मूल्य दोनों के लिहाज से रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह उपलब्धि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के बावजूद इस क्षेत्र की मजबूती को दर्शाती है और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारत की स्थिति को और मजबूत बनाती है। समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने 19.72 लाख मीट्रिक टन समुद्री उत्पादों का निर्यात किया, जिसकी कुल कीमत 73,890 करोड़ रुपए (8.46 अरब डॉलर) रही।

मढ़के और लुक्का महादेव

सतपुड़ा की पहाड़ियों में छिपे हैं नेचर से घिरे दो टूरिस्ट प्लेस

नरसिंहपुर। गर्मी के मौसम में लोग ठंडक और सुकून की तलाश में झरनों, पहाड़ों और हिल स्टेशनों की ओर रुख करते हैं, लेकिन नरसिंहपुर जिले में भी ऐसे प्राकृतिक स्थल हैं जो अभी तक सीमित पहचान में ही सिमटे हुए हैं। करेली के पास सतपुड़ा की दुर्गम पहाड़ियों में स्थित मढ़के महादेव और लुक्का महादेव ऐसे ही दो स्थान हैं, जहां प्राकृतिक सौंदर्य और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

यदि यहां तक पहुंचने के मार्ग और मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएं तो यह क्षेत्र जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है। करेली के आसपास फैले सतपुड़ा के घने जंगल और पहाड़ी क्षेत्र इन दोनों स्थलों को अलग पहचान देते हैं। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु और प्रकृति प्रेमी नदी, पहाड़ और जंगलों को पार कर यहां पहुंचते हैं। स्थानीय समितियां समय-समय पर आने-जाने के मार्ग और व्यवस्थाओं को सुधारने का प्रयास करती हैं, वहीं वन विभाग और पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा की दृष्टि से सहयोग करता है।

प्राकृतिक सौंदर्य और आस्था का संगम

मढ़के महादेव जाने वाले मार्ग में शक्कर और हर्द नदी के संगम पर स्थित नागद्वार दर्शनीय स्थल है, जिसकी चौड़ाई करीब 20 फीट बताई जाती है। आसपास का पहाड़ी और वन क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। जंगल और पथरीले रास्तों से गुजरते हुए गुफा में स्थापित सफेद और भूरे रंग के शिवलिंग श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। शांत वातावरण और प्राकृतिक दृश्य इस स्थान को आध्यात्मिक अनुभूति के साथ पर्यटन की दृष्टि से भी खास बनाते हैं।

न्यूज विंडो

पीएम मोदी ने वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगेज से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्रीय राजधानी में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात की। नेताओं की यह मुलाकात हैदराबाद हाउस में हुई। संभावना जताई जा रही है कि दोनों नेताओं ने भारत-वेनेजुएला संबंधों के कई आयामों पर चर्चा की। इनमें ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित किया गया। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रोड्रिगेज से मुलाकात की और दक्षिण अमेरिकी राष्ट्र के साथ भारत की मजबूत होती साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि वह 'आज नई दिल्ली में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मिल कर खुशी हुई।' उन्होंने भारत-वेनेजुएला संबंध के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की सराहना की।

हरिप्रसाद ने ली शिवकुमार की जगह, बने कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष

बैंगलुरु। कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन के साथ ही कांग्रेस पार्टी के संगठन में भी बड़ा बदलाव नजर आया। दरअसल, सीनियर नेता बीके हरिप्रसाद को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी यानी KPCC का नया अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। कांग्रेस लीडरशिप के इस निर्णय को कर्नाटक में पार्टी संगठन और सरकार के बीच अच्छे तालमेल की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। बीके हरिप्रसाद की गिनती कांग्रेस के अनुभवी नेताओं में होती है और लंबे वक्त से वह पार्टी संगठन में अहम रोल निभाते आए हैं। बीके हरिप्रसाद ने राज्यसभा में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व भी किया है और नेशनल लेवल पर भी कांग्रेस पार्टी के लिए कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं।

पंजाब को दहलाने की साजिश नाकाम, मोहाली से दो गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब में एक बड़े आतंकी षड्यंत्र को पुलिस ने नाकामयाब कर दिया। पुलिस ने मोहाली से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी विदेश में बैठे एक आतंकी संचालक के संपर्क में थे और सार्वजनिक महत्व के एक महत्वपूर्ण ढांचे को निशाना बनाने की साजिश पर काम कर रहे थे। डीजीपी पंजाब गौरव यादव की तरफ से साझा की गई जानकारी के अनुसार, पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के दौरान आरोपियों के कब्जे से एक शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण बरामद किया गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि इस विस्फोटक का इस्तेमाल किसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थान या ढांचे को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता था। बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियां और अधिक सतर्क हो गई हैं तथा पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी गई है। राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों संदिग्धों को दबोचा। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई आतंकवाद और संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपियों को विस्फोटक सामग्री कहां से मिली, उन्हें निर्देश कौन दे रहा था और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोग कौन हैं।

दिग्गज नेता के सामने अब अस्तित्व का संकट

टीएमसी टूटने के बाद ममता के लिए नाम और चुनाव चिह्न बचाने की चुनौती

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में मिली भारी हार के कुछ ही हफ्तों बाद तृणमूल कांग्रेस में फूट एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस ने बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दे दी है। अध्यक्ष ने उनके पद को मंजूरी दी और विधानसभा में विपक्ष को आवंटित कमरे की चाबियां उन्हें सौंप दीं।

1998 में स्थापना के बाद से ममता बनर्जी के लिए पार्टी पर नियंत्रण बनाए रखने के मामले में यह अब तक की सबसे बड़ी चुनौती है। पार्टी के 80 में से 58 विधायकों ने ममता के विरोध किया है। ऋतब्रत बनर्जी को इस हफ्ते की शुरुआत में टीएमसी से निष्कासित कर दिया गया था, अब विधानसभा में इस बागी गुट का नेतृत्व कर रहे हैं।

टीएमसी की सभी कमेटियां भंग

तृणमूल कांग्रेस ने आत्ममंथन के लिए समय की आवश्यकता बताते हुए अपनी सभी समितियों और अनुषांगिक संगठनों को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया। वहीं, ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि हम ममता बनर्जी से अनुरोध करेंगे कि वे इस विपक्षी मोर्चे की हमारी मुख्य सलाहकार बनें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 18वीं पश्चिम बंगाल विधानसभा के गठन से अभिषेक बनर्जी का कोई लेना-देना नहीं है।

हार के बाद से सुलग रही थी बगावत

इससे पहले ऋतब्रत बनर्जी 80 में से 59 विधायकों के समर्थन का दावा करते हुए विधानसभा पहुंचे थे। उन्होंने दावा किया था कि उनका समूह ही असली तृणमूल कांग्रेस है, हालांकि सौंपे गए पत्र में उन्होंने ममता बनर्जी को ही अपना नेता बताया था। पार्टी के भीतर यह बगावत चुनाव में मिली हार के बाद से ही सुलग रही थी। भ्रष्टाचार और आरजी कर रेप-मर्डर केस से निपटने के तरीकों सहित कई मुद्दों पर नेताओं ने पार्टी की आलोचना की थी। पिछले हफ्ते कई बागी नेताओं ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा बुलाई गई एक बैठक में भी हिस्सा लिया था। इन घटनाक्रमों ने ममता बनर्जी को कई तात्कालिक चुनौतियों में डाल दिया है। विधानसभा में विभाजन के औपचारिक होने के बाद, ऋतब्रत बनर्जी नेता प्रतिपक्ष के अपने दर्जे का हवाला देते हुए असली तृणमूल कांग्रेस के रूप में मान्यता का दावा करने के लिए चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटा सकती हैं।

फिरहाद हाकिम का इस्तीफा

यह फैसला नेता प्रतिपक्ष के पद को लेकर हुए विवाद के बाद आया है। ममता बनर्जी ने इस भूमिका के लिए अनुभवी नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय के नाम वाला पत्र सौंपा था, जिसमें नयना बंद्योपाध्याय और असीमा पात्रा को उपनेता और फिरहाद हाकिम को मुख्य सचेतक बनाया गया था। लेकिन बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा ने दावा किया कि पत्र पर किए गए हस्ताक्षर फर्जी थे। राज्य की सीआईडी अब इस मामले की जांच कर रही है। स्पीकर के फैसले के कुछ ही मिनटों बाद ममता बनर्जी के करीबी और पार्टी के प्रमुख अल्पसंख्यक चेहरे फिरहाद हाकिम ने कोलकाता के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया। 67 वर्षीय हाकिम 2018 से इस पद पर थे और राज्य सरकार में कई मंत्री पदों पर भी रहे हैं। कोलकाता नगर निगम 2010 से तृणमूल के नियंत्रण में है। बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद आ रही मुश्किलों का हवाला देते हुए उन्होंने पहले ही इस्तीफा देने की अनुमति मांगी थी, जिसे बुधवार को ममता बनर्जी ने मंजूरी दे दी।

सरकारी डाक लेकर मुरैना के लिए निकले सिपाही की संदिग्ध मौत

ग्वालियर, एजेंसी

ग्वालियर पुलिस लाइन में तैनात एक 36 वर्षीय सिपाही की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। दो दिन पहले सरकारी डाक लेकर मुरैना के लिए रवाना हुए सिपाही अंकित सिंह तोमर की लाश आज सुबह कंपू थाना क्षेत्र के शिवपुरी लिंक रोड पर एक सुनसान इलाके में मिली।

जानकारी के अनुसार, अंकित सिंह तोमर वर्ष 2018 में अनुकंपा नियुक्ति के तहत पुलिस विभाग में भर्ती हुआ था। वह अभी अविवाहित था और ग्वालियर के बहोड़ापुर इलाके में अपने भाई और भाभी के साथ रहता था। दो दिन पहले विभाग ने उसे डाक देने के लिए मुरैना भेजा था, जिसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चल सका था। अंकित के जीजा ने मौत पर संदेह जताया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मुरैना जिले के अम्बाह-पोरसा के निवासी अंकित तोमर ग्वालियर के सिकंदर कंपू में रह रहे थे। परिजनों के अनुसार, अंकित को सरकारी दस्तावेज देने के लिए पोरसा जाना था।

इमरान की पार्टी में बगावत, विधायक बोले- बयानबाजी से नहीं आएंगे जेल से बाहर

पेशावर। पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान तारीक-ए-इंसाफ में आंतरिक कलह खुलकर सामने आ गई है। खैबर पख्तूनख्वा के कई नाराज विधायकों ने पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए जेल में बंद संस्थापक इमरान खान की रिहाई के लिए प्रभावी प्रयास नहीं करने का आरोप लगाया है।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, हालिया कैबिनेट विस्तार में पद नहीं मिलने से नाराज विधायकों ने पेशावर में एक आपात बैठक की और पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली को एक पत्र भेजा। पत्र में कहा गया कि इमरान खान की रिहाई और उनके स्वास्थ्य को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में गहरी चिंता है।

पार्टी नेतृत्व पर क्या आरोप लगे?: विधायकों ने आरोप लगाया कि इमरान खान की रिहाई के लिए चलाया जा रहा आंदोलन कमजोर, सीमित विरोध प्रदर्शनों और प्रतीकात्मक गतिविधियों तक सिमटकर रह गया है। उन्होंने नेतृत्व से अधिक प्रभावी, संगठित और परिणाम देने वाली नई रणनीति बनाने की मांग की।

भगवान जगन्नाथ के सामने हाथ जोड़े, फिर दानपेटी लेकर हुआ फरार; सीसीटीवी में कैद अनोखा कांड

भुवनेश्वर। ओडिशा के राउरकेला शहर से चोरी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। उदितनगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में एक चोर ने चोरी करने से पहले भगवान को प्रणाम किया और उसके बाद मंदिर की दानपेटियों को निशाना बनाकर नकदी लेकर फरार हो गया। इस पूरी घटना का वीडियो मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना 1 जून की भोर में करीब चार बजे की है। सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि एक व्यक्ति मंदिर परिसर में प्रवेश करता है। मंदिर में घुसने के बाद वह सबसे पहले अरुण स्तंभ के पास जाकर भगवान को प्रणाम करता है। इसके बाद वह मंदिर परिसर में स्थित भगवान शिव के स्थान पर भी जाकर सिर झुकाता है। वीडियो में आगे देखा जा सकता है कि प्रणाम करने के बाद चोर अपने असली मकसद को अंजाम देना शुरू कर देता है। वह सबसे पहले मंदिर के बाहर रखी दानपेटी को खींचकर वहां से ले जाता है। बताया जा रहा है कि उसने दानपेटी को मंदिर के पीछे ऐसे स्थान पर पहुंचाया, जहां सीसीटीवी कैमरों की सीधी नजर नहीं थी। वहां उसने दानपेटी को तोड़कर उसमें रखी नकदी निकाल ली।

मंदिर में भक्ति का प्रदर्शन, श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का विषय

इस घटना की सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि चोर ने चोरी करने से पहले भगवान जगन्नाथ और भगवान शिव के सामने सिर झुकाया और उसके बाद दानपेटियों को तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मंदिर में हुई यह अनोखी चोरी स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

मेट्रो एंकर

निकलेगा ड्रैगन का दम, प्रोजेक्ट से बढ़ी पड़ोसी देश की टेंशन

भारत का होर्मुज बनेगा ग्रेट निकोबार! चरमरा जाएगी चीन की इकॉनामी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत का सबसे दक्षिणी बिंदु ग्रेट निकोबार द्वीप थाईलैंड, मलेशिया और इंडोनेशिया के ज्यादा करीब है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 9 अरब अमेरिकी डॉलर के ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी है, जो अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह को एक रणनीतिक समुद्री और आर्थिक केंद्र में बदल देगा। 166 वर्ग किलोमीटर में फैला यह प्रोजेक्ट इस द्वीप पर एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, एक नागरिक-सैन्य हवाई अड्डा, एक पावर प्लांट, पर्यटन से जुड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर और 3,50,000 लोगों के लिए एक टाउनशिप बनाने का काम शामिल है। इसे पूरा होने में तीन दशक लगेंगे और इसका पहला चरण 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट से क्या होगा फायदा?: अभी भारत के बंदरगाहों पर बड़े जहाजों के लिए गहरे पानी वाले बर्थ की कमी है। इसी वजह से माल कोलंबो और सिंगापुर के रास्ते भेजा जाता है, जिससे भारत को काफी राजस्व का नुकसान होता है।

जब यह हब बनकर तैयार हो जाएगा तो इसका 14.2 मिलियन ञ्श (ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट) वाला इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल न सिर्फ ट्रांसशिपमेंट के लिए दूसरे हब पर भारत की निर्भरता कम करेगा, बल्कि हिंद महासागर में एक अहम समुद्री रास्ते पर नजर रखने की देश की क्षमता को भी मजबूत करेगा, जिससे नई दिल्ली को मलक्का स्ट्रेट के पास एक मजबूत रणनीतिक पकड़ मिलेगी।

चीन की मलक्का समस्या: मलक्का स्ट्रेट एक प्रमुख समुद्री मार्ग है, जो दक्षिण चीन सागर के रास्ते हिंद महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ता है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण शिपिंग मार्गों में से एक है, जिससे वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 25 प्रतिशत और वैश्विक पेट्रोलियम प्रवाह का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, चूंकि यह ऊर्जा और निर्मित वस्तुओं के लिए सबसे छोटा और सबसे किफायती समुद्री मार्ग है इसलिए इसका लगभग दो-तिहाई समुद्री व्यापार और इसके तेल आयात का लगभग 70-80 प्रतिशत हिस्सा इसी स्ट्रेट से होकर गुजरता है।

भारत की रणनीतिक चाल

हाल के महीनों में भारत सरकार ने ग्रेट निकोबार द्वीप के रणनीतिक महत्व को लगातार ज्यादा अहमियत दी है। मई में जारी एक बयान में सरकार ने कहा कि ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एक रणनीतिक प्रोजेक्ट है, जिसका मकसद अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत की मौजूदगी को मजबूत करना है। सरकार ने इस परियोजना को पूरब-पश्चिम शिपिंग मार्ग के निकट स्थित एक समुद्री और आर्थिक केंद्र तथा देश की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्यों की कुंजी बताया। इसमें आगे कहा गया है, 'इस परियोजना को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, रणनीतिक और रक्षा उपस्थिति को बढ़ाने, द्वीपों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और इस क्षेत्र में समग्र विकास को गति देने के लिए डिजाइन किया गया है।'

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564